हिंदी दैनिक अखबार

बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना, रविवार, 08 मार्च 2026 | वर्ष : 5, अंक : 69 पृष्ठ : 8, मूल्य : निशुल्क | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com | सम्पादक : कृष्णा टेकड़ीवाल

घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम बढ़े अब चुकाने होंगे 60 रुपए ज्यादा, आज से नई दरें लागू

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश में बढ़ती महंगाई के बीच आम लोगों के लिए एक और चिंता बढ़ाने वाली खबर सामने आई है। घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी की खबर सामने आ रही है। अब घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई है। बता दें कि मिडल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बीच केंद्र सरकार ने घरेलू रसोई गैस (एल.पी.जी) की उपलब्धता बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने आपात शक्तियों (एमरजैंसी पावर) का इस्तेमाल करते हुए सभी तेल रिफाइनरियों को एल.पी.जी. उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया है। नई दरों के मुताबिक 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 853 रुपए से बढ़कर 913 रुपए हो गई है। यह नई कीमतें 7 मार्च से लागू हो गई हैं। वहीं कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर (19 किलो) के दाम में भी 115 रुपए की भारी बढ़ोतरी की गई है। गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से आम लोगों के साथ-साथ होटल, ढाबा और छोटे कारोबारियों पर भी असर पड़ने की संभावना है। लगातार बढ़ती महंगाई के बीच रसोई गैस के दाम बढ़ने से घर का बजट भी प्रभावित होगा।

इजरायल ने फिर दी सफाई कहा- पीएम मोदी के दौरे से ईरान पर हमले का कोई संबंध नहीं था

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25-26 फरवरी को इजरायल के दौरे पर थे और उनके लौटने के ठीक दो दिन बाद यह हमला हुआ। हमले की इस सटीक टाइमिंग को लेकर विपक्षी दलों और सोशल मीडिया पर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। विवाद को बढ़ता देख अब इजरायल ने आधिकारिक तौर पर स्पष्ट किया है कि इस सैन्य कार्रवाई का पीएम मोदी के दौरे से कोई संबंध नहीं था। इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने शुक्रवार को रायसीना डायलॉग में वर्चुअली हिस्सा लेते हुए स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी को इस हमले के बारे में कोई पूर्व जानकारी या ब्रीफिंग नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा, भारत और प्रधानमंत्री मोदी के साथ हमारे संबंध बेहद मजबूत और रणनीतिक हैं, लेकिन हम उन्हें इस बारे में सूचित नहीं कर सके क्योंकि सैन्य कार्रवाई का अंतिम निर्णय उनके जाने के बाद, शनिवार तड़के लिया गया था। इजरायल ने स्पष्ट किया कि जब अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक बातचीत पूरी तरह विफल हो गई, तब यह कड़ा कदम उठाना अनिवार्य हो गया था। विदेश मंत्री के अनुसार, ईरान का परमाणु कार्यक्रम, नई बैलिस्टिक मिसाइलें और हिजबुल्लाह व हमास जैसे संगठनों को मिल रहा समर्थन इजरायल के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया था। उन्होंने संकेत दिया कि अब ईरान में सत्ता परिवर्तन ही एकमात्र विकल्प नजर आता है। मध्य पूर्व में मार्च की शुरूआत एक भीषण सैन्य संघर्ष के साथ हुई है।

28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजरायल ने संयुक्त रूप से ईरान के परमाणु ठिकानों, मिसाइल क्षमताओं और मिलिशिया नेटवर्क पर बड़ा हमला बोल दिया। इस हमले में ईरान के

सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत और तेहरान व इस्फहान जैसे शहरों में हुई भारी तबाही ने वैश्विक राजनीति में भूचाल ला दिया है। ईरान की जवाबी कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र को युद्ध की आग में झोंक दिया है, लेकिन इस तनाव के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया इजरायल यात्रा को लेकर अंतरराष्ट्रीय गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म है। इजरायल द्वारा बार-बार दी जा रही इस सफाई के पीछे एक बड़ी कूटनीतिक वजह है। भारत हमेशा से मध्य पूर्व में शांति और संतुलन का पक्षधर रहा है।

इजरायल नहीं चाहता कि उसके रणनीतिक साझेदार भारत पर ईरान के खिलाफ किसी सैन्य साजिश में शामिल होने या उसे मौन समर्थन देने का आरोप लगे। सोशल मीडिया पर चल रही 48 घंटे की थ्योरी—जिसमें दावा किया गया कि पीएम मोदी की मौजूदगी के कारण हमले को रोका गया था—का खंडन करते हुए इजरायली अधिकारियों ने कहा कि यह केवल एक ऑपरेशनल अवसर था, जिसकी मंजूरी शनिवार सुबह सुरक्षा कैबिनेट से ली गई थी।

खास / खबरे

भारत ने ईरान के आईरिस लावन को दी शरण, 183 चालक दल के सदस्यों को कोच्चि में ठहराया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष अब भारत के समुद्री पड़ोस तक पहुंच गया है। श्रीलंका के तट के पास एक अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा ईरानी युद्धपोत को डुबोए जाने के बाद, भारत ने ईरान के एक दूसरे युद्धपोत आईरिस लावन को कोच्चि बंदरगाह पर रुकने की अनुमति दे दी है। इस कदम को भारत द्वारा अमेरिका और ईरान के बीच एक बेहद जटिल बैलेंसिंग एक्ट के रूप में देखा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तनाव की शुरूआत बुधवार को हुई जब श्रीलंका के तट से करीब 19 समुद्री मील दूर एक अमेरिकी पनडुब्बी ने ईरानी फ्रिगेट आईरिस डेना पर टॉरपीडो से हमला कर उसे डुबो दिया था। इस भीषण हमले में 87 ईरानी नाविकों की मौत हो गई। इस घटना ने पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि यह पहली बार है जब अमेरिका-ईरान संघर्ष भारत के इतने करीब पहुंच गया है। ईरानी युद्धपोत आईरिस लावन एक उभयचर युद्धपोत है। यह पिछले महीने भारत द्वारा आयोजित इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लेने आया था। अधिकारियों के मुताबिक ईरान ने 28 फरवरी को भारत से संपर्क कर तकनीकी खराबी का हवाला देते हुए युद्धपोत को कोच्चि में डॉक करने का अनुरोध किया था। भारत ने 1 मार्च को इसकी मंजूरी दी और बुधवार को यह जहाज कोच्चि पहुंचा। जहाज के 183 चालक दल के सदस्यों को वर्तमान में कोच्चि में नौसैनिकों के साथ ठहराया गया है। भारत की तरह श्रीलंका ने भी एक अन्य ईरानी युद्धपोत आईरिस बुशहर को अपने यहा शरण दी है। इंजन में खराबी के बाद इसके 208 सदस्यों को एक नौसैनिक कैंप में ठहराया गया है। श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायक ने इसे एक मानवीय जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय संधियों के तहत संकट में फंसे जहाज की मदद करना उनका कर्तव्य है। भारत के लिए यह स्थिति किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। एक तरफ ईरान के साथ भारत के सदियों पुराने सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध हैं, तो दूसरी तरफ अमेरिका भारत का सबसे अहम रणनीतिक साझेदार है। देश के भीतर विपक्षी दलों और पूर्व राजनयिकों ने भारत के रणनीतिक बैकयार्ड में ईरानी जहाज के डूबने पर भारत की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। ईरान द्वारा हॉर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी ढंग से बंद करने की धमकियों के बीच भारत की तेल आपूर्ति खतरे में है। भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 50फीसदी इसी मार्ग से मंगाता है।

सीकर में सुबह 3.5 तीव्रता का भूकंप, खाटूश्यामजी सहित कई क्षेत्रों में महसूस हुए झटके

सीकर (एजेंसी)। राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे कुछ समय के लिए लोगों में दहशत का माहौल बन गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार सुबह 6 बजकर 32 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.5 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र सीकर जिले में ही बताया गया है। झटके खाटूश्यामजी, रानोली, फतेहपुर और लक्ष्मणगढ़ सहित आसपास के कई गांवों और कस्बों में महसूस किए गए। अचानक आए कंपन के कारण कई घरों में पंखे और बर्तन हिलने लगे, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों के अनुसार झटके कुछ सेकंड तक ही महसूस हुए, लेकिन सुबह-सुबह भूकंप आने से लोग काफी घबरा गए और एहतियातन कुछ समय तक घरों के बाहर ही रहे। खाटूश्यामजी क्षेत्र में होटल और धर्मशालाओं में ठहरे श्रद्धालु भी झटके महसूस होने के बाद बाहर निकल आए। हालांकि प्रशासन और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक इस भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण किसी बड़े नुकसान की आशंका नहीं रही।

मैं उन सभी संतों के साथ हूं जो गो माता, गीता और सनातन की बात करते हैं : धीरेंद्र शास्त्री

वाराणसी,(एजेंसी)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मैं उन सभी संतों के साथ हूं जो गो माता, गीता और सनातन की बात करते हैं। शंकराचार्य ने गाय का मुद्दा उठाया है। पूरे देश में गो माता को लेकर अभियान चल रहा है। हम गो सेवक होने के नाते उनका नैतिक रूप से समर्थन करते हैं। लेकिन लखनऊ के लिए हमें आमंत्रण नहीं मिला है। मैं एक महीने के लिए एकांतवास के लिए जा रहा हूं। धीरेंद्र शात्री शुक्रवार को अपनी मां के साथ काशी पहुंचे। उन्होंने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी से टकराव के बीच शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद गो, गंगा और सनातन की रक्षा के लिए 11 मार्च को लखनऊ में सभा करेंगे। हालांकि अभी उन्हें सभा की परमिशन नहीं मिली है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी काशी में थे। पत्रकारों ने उनसे सवाल किया कि क्या

शंकराचार्य को सभा करने की अनुमति मिलेगी? इस पर केशव ने कहा कि परमिशन देना मेरा काम नहीं है। इसके बाद उन्होंने इस मसले पर चुप्पी साध ली। धीरेंद्र शास्त्री ने प्रशंसकों को सकारात्मक जीवन जीने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि काशी आना उनके लिए हमेशा विशेष अनुभव रहता है, क्योंकि यह भगवान शिव की नगरी है और यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा पूरे देश को प्रेरित करती है। उन्होंने इंडियन क्रिकेट टीम के फाइनल में पहुंचने पर पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि इंडियन टीम निश्चित रूप से जीत हासिल करेगी और देश का नाम रोशन करेगी। शास्त्री ने यह भी कहा कि भारत की सनातन की विचारधारा से पूरे विश्व में शांति आ सकती है। सनातन की संस्कृति में वह ताकत है कि वह विश्व में शांति और संतुलन बना सकती है।

नीतीश ने राजभवन पहुंचकर की राज्यपाल से मुलाकात, दो-तीन दिन में दे सकते हैं इस्तीफा

पटना,(एजेंसी)। बिहार की राजनीति में जारी हलचल के बीच सीएम नीतीश कुमार ने शनिवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब 10 मिनट तक बातचीत हुई। सूत्रों के मुताबिक यह मुलाकात औपचारिक विदाई प्रोटोकॉल के तहत मानी जा रही है। राजभवन से पहले जनता दल (यू) के नेता उपेंद्र कुशवाहा ने भी सीएम आवास पर नीतीश कुमार से मुलाकात की। इस दौरान जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा भी मौजूद थे। राज्य की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए इन बैठकों को काफी अहम माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजनीति में संभावित प्रवेश से पहले सीएम के बेटे नीतीश कुमार भी सक्रिय हो गए हैं। शुक्रवार को उन्होंने पटना में संजय झा के आवास पर जेडीयू के करीब 24 विधायकों के साथ बैठक की। इस बैठक में बिहार सरकार के परिवहन मंत्री श्रवण कुमार समेत कई वरिष्ठ

और युवा विधायक मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में पार्टी की आगामी रणनीति और संगठन की स्थिति पर चर्चा की गई। माना जा रहा है कि निशांत कुमार के राजनीतिक जीवन की औपचारिक शुरूआत से पहले पार्टी के विधायकों और नेताओं के साथ समन्वय बनाने की कोशिश की जा रही है। इसी बीच बिहार की राजनीति में यह भी चर्चा तेज है कि सीएम नीतीश कुमार 10 से 14 मार्च के बीच अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। उनके राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद सत्ता परिवर्तन की अटकलें और तेज हो गई हैं। सूत्रों का कहना है कि राज्य में नए सीएम के चयन को लेकर बीजेपी और जेडीयू के बीच लगातार बातचीत जारी है। हालांकि दोनों दलों की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले कुछ दिनों में बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

नोएडा में बनेंगे 13 बैटरी स्वैपिंग स्टेशन, मार्च के अंत तक शुरू होगी सुविधा

नोएडा (एजेंसी)। शहर में 13 स्थानों पर बैटरी स्वेपिंग स्टेशन बनाए जाने है। इसकी प्रक्रिया अंतिम चरण में है। एजेंसी का चयन प्रक्रिया अंतिम चरण में है। फाइलिंग प्रक्रिया को सात से आठ दिन में पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद निर्धारित किए गए स्थानों पर बैटरी स्वेपिंग स्टेशन लगा दिए जाएंगे। इसे ईवी व्हीकल चलाने वाले लोगों को आसानी होगी। प्राधिकरण महप्रबंधक एसपी सिंह ने बताया कि मार्च अंत तक शहर में 13 बैटरी स्वैपिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक स्टेशन पर दो स्वैपिंग प्वाइंट होंगे, जिनमें कुल 44 बैटरियां उपलब्ध रहेंगी। इससे खासतौर पर इलेक्ट्रिक दोपहिया और व्यावसायिक वाहनों के लिए चार्जिंग समय कम होगा और परिचालन क्षमता बढ़ेगी। इसका संचालन के लिए एजेंसी का चयन कर लिया गया है। स्वेपिंग बैटरी का चार्ज कितना होगा इसकी दर को तय किया जा रहा है। कोई भी टू व्हीलर और थ्री व्हीलर जिसके वाहन की बैटरी वीक हो जाए तो यहां आकर स्वेप करवा सकता है। बिना चार्ज बैटरी के वो दूसरी बैटरी ले सकता है। काम पूरा होने के बाद वो दोबारा से अपनी चार्ज बैटरी यहां से ले सकता है। नोएडा के सेक्टर-6,29, 25 ए, 24, 63, 16ए,16, 15, 58, 61, 15 एमिटी यूनिर्विसिटी है।

आखिर अमेरिका इस तरह से हमें कब तक ब्लैकमेल करता रहेगा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए अमेरिका की ओर से जो 30 दिनों की छूट का एलान किया गया है, उसपर सियासी तेज हो गई है। कांग्रेस ने इसे भारत की संप्रभुता पर हमला और अमेरिकी ब्लैकमेल बताया है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाया कि आखिर अमेरिका इस तरह से हमें कब तक ब्लैकमेल करता रहेगा। नेता विपक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा में इस बारे में बीते सेशन का वीडियो शेयर किया है। राहुल ने कहा था- क्या अमेरिका हमें बताएगा कि हम रूस या ईरान से तेल खरीद सकते हैं या नहीं। यह अमेरिका तय करेगा, हमारे पीएम नहीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय संप्रभुता गंभीर खतरे में है, क्योंकि पीएम मोदी पर एपस्टीन फाइल्स और अडानी मामले को लेकर दबाव डाला जा रहा है। अमेरिका द्वारा भारत

को रूसी तेल खरीदने के लिए ह्यअनुमतिह्ल देने और 30 दिनों की ह्यछूटह्ल देने की घोषणा साफ तौर पर दिखाती है कि मोदी सरकार लगातार कूटनीतिक क्षेत्र छोड़ती जा रही है। इस तरह की भाषा आमतौर पर प्रतिबंधित देशों के लिए इस्तेमाल की जाती है, न कि भारत जैसे देश के लिए, जो वैश्विक व्यवस्था में एक जिम्मेदार और बराबरी का साझेदार रहा है। वहीं कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में लिखा- ह्यट्रंप का नया खेल, दिल्ली दोस्त को कहा, पुतिन से ले सकते हो तेल, कबतक चलेगा ये अमेरिकी ब्लैकमेल ह्ल कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने तो इसे देश की संप्रभुता तक से जोड़ दिया है। उन्होंने एक्स पर अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट के बयान के जवाब में लिखा- ह्य30 दिन की छूट जारी करना, दबाव की पाखंडी भाषा, नव-साम्राज्यवादी अहंकार से भरा है। क्या हमें बनाना रिपब्लिक हैं, जो हमें अपने लिए तेल खरीदने के लिए अमेरिकी अनुमति की जरूरत है? वैसे ज्यादा बोलने वाली सरकार की चुप्पी कुछ ज्यादा है। क्या इसे नहीं पता कि संप्रभुता का मतलब क्या है। बता दें अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी ने 6 मार्च को एक्स के जरिए जानकारी दी थी कि भारतीय रिफाइनरों को रूसी तेल खरीदने के लिए ट्रेजरी विभाग 30 दिनों के लिए अस्थाई छूट जारी करता है। इस छोटे समय के उपाय से रूसी सरकार को ज्यादा वित्तीय फायदा नहीं मिलेगा। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका का एक अहम पार्टनर हैं और ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई को स्थिर रखने के लिए यह छूट दी गई है। इस बीच ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत आज 4फीसदी बढ़कर 89.18 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। यह अप्रैल 2024 के बाद उच्चतम स्तर है।

ब्रह्मोस को लाद नूरखान एयरबेस को कब्रगाह बनाने वाला एसयू-30 कैसे क्रैश हुआ?

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट.....इस नाम से पूरा पाकिस्तान कांपता है। इसी फाइटर जेट ने पाकिस्तान के नूरखान एयरबेस पर तबाही मचाई। इसी सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट का एक सदस्य अब हमारे बीच नहीं है। जी हां, भारतीय वायुसेना का एक सुखोई-30 फाइटर जेट क्रैश हो गया। गुरुवार देर रात को वायुसेना ने यह दुखद खबर दी। इस विमान क्रैश में फाइटर जेट में सवार दोनों पायलटों की जान चली गई। दरअसल भारत का एक सुखोई-30 एमकेआई फाइटर एयरक्राफ्ट असम के कार्बी आंगलोंग जिले में क्रैश हुआ। आईएएफ यानी इंडियन एयरफोर्स ने इस बात को कंफर्म किया है। असम के जोरहाट से टेकऑफ के बाद फाइटर एयरक्राफ्ट लापता हो गया था। उसके कुछ घंटे बाद ही फाइटर जेट के क्रैश होने की पुष्टि हुई। भारतीय वायुसेना ने शुक्रवार सुबह पोस्ट किया, ह्यवायुसेना, स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरागकर के निधन पर दुख जाहिर करती है, जिन्हें सुखोई-30 क्रैश में घातक चोटें आई थीं। वायुसेना के

सभी कर्मचारी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। सुखोई-30 फाइटर जेट एक ट्रेनिंग मिशन पर था।

यह गुरुवार शाम को जोरहाट से टेक ऑफ किया था। डिफेंस अधिकारियों के मुताबिक, एयरक्राफ्ट आखिरी बार शाम करीब 7.42 बजे ग्राउंड कंट्रोल के कॉन्टैक्ट में आया था और उसके बाद रडार से गायब हो गया। रडार से कॉन्टैक्ट टूटने के बाद फाइटर जेट को लापता घोषित किया गया। इसके बाद एयरक्राफ्ट और उसके दो पायलटों के लिए सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ। इसी बीच लोकल लोगों ने जंगल वाले इलाके में जोरदार धमाके की खबर दी।

इसके बाद वायुसेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे और कन्फर्म किया कि जेट इलाके में क्रैश हो गया है। इस हादसे में दो पायलट की जान गई। स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट दुरगकर इस दुर्भाग्यपूर्ण फाइटर जेट में सवार दो पायलट थे। पहले उनके बारे में पता नहीं था, लेकिन वायुसेना ने शुक्रवार को कन्फर्म किया कि क्रैश में दोनों पायलट मारे गए।

एक नजर

बिहार दिवस की तैयारी शुरू, 22 मार्च को होंगे विशेष कार्यक्रम

अभिषेक अग्रवाल, दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। बिहार दिवस के आयोजन को लेकर भागलपुर के समीक्षा भवन में पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में 22 मार्च को होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की गई और विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान पिछले वर्ष आयोजित कार्यक्रमों और अन्य गतिविधियों से संबंधित फाइलों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष भी बिहार दिवस को भव्य तरीके से मनाने की तैयारी की जा रही है। इसके तहत सभी सरकारी कार्यालयों और भवनों को दुल्हन की तरह सजाया जाएगा। वहीं शाम के समय मोमबत्तियों के साथ मानव शृंखला बनाई जाएगी। इसके अलावा सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा सुबह प्रभात फेरी निकाली जाएगी और बिहार गान का पाठ किया जाएगा। प्रशासन का कहना है कि बिहार दिवस को लेकर जिले में विभिन्न सांस्कृतिक और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

पेट्रोल खत्म होने की खबर से मची अफरा-तफरी, पंपों पर लगी लंबी कतार

अभिषेक अग्रवाल, दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। अमेरिका-ईरान युद्ध की चचाओं के बीच पेट्रोल-डीजल की खपत बढ़ने और अफवाहों के फैलने से भागलपुर में शनिवार को अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। शहर के जीरोमाइल स्थित एक पेट्रोल पंप पर शनिवार सुबह पेट्रोल खत्म होने की खबर फैलते ही लोगों में हड़कंप मच गया। इसके बाद कचहरी चौक स्थित पेट्रोल पंप पर वाहन चालकों की लंबी कतार लग गई। कई लोग पेट्रोल भरवाने के लिए बैरल और बोतल लेकर भी पंप पर पहुंच गए, जिससे वहां भीड़ का माहौल बन गया। हालांकि इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के भागलपुर सेल्स हेड विदित प्रताप सिंह ने स्पष्ट किया कि कंपनी की ओर से पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी नहीं की गई है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराहट में जरूरत से ज्यादा पेट्रोल-डीजल खरीदने से बचें। कंपनी की ओर से नियमित रूप से तेल की आपूर्ति की जा रही है।

मैट्रिक-इंटर की कॉपियों का मूल्यांकन जारी

अभिषेक अग्रवाल, दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। शहर के विभिन्न मूल्यांकन केंद्रों पर शनिवार को मैट्रिक और इंटर परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं की जांच का कार्य जारी रहा। मूल्यांकन कार्य को समय पर पूरा करने के लिए शिक्षकों को निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कॉपियों की जांच करने का निर्देश दिया गया है। जानकारी के अनुसार इंटरमीडिएट परीक्षा की करीब तीन लाख उत्तरपुस्तिकाओं की जांच का कार्य 10 मार्च तक पूरा किया जाना है। वहीं मैट्रिक परीक्षा की कॉपियों का मूल्यांकन 13 मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने दोनों परीक्षाओं का परिणाम मार्च के अंत तक जारी करने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए मूल्यांकन कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

कुल्हड़िया में उपद्रवियों का आतंक, खेतों की खड़ी फसल जलाई

दैनिक बिहार पत्रिका परबत्ता

खगड़िया जिले के परबत्ता प्रखंड स्थित कुल्हड़िया गांव में शनिवार को एक बार फिर उपद्रवियों ने खेतों में खड़ी फसल में आग लगा दी। यह इस इलाके में दूसरी बार हुई ऐसी घटना है, जिससे किसानों में भय और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार गांव के किसान रामस्वरूप तिवारी और नागेंद्र कुमार तिवारी के खेतों में खड़ी फसल अचानक आग की चपेट में आ गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और फसल जलने लगी। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई सामान्य घटना नहीं है, बल्कि शरारती तत्वों द्वारा किसानों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। इससे पहले भी इसी इलाके में खेतों में आग लगाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से किसान चिंतित हैं और प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पीड़ित किसानों ने बताया कि कड़ी मेहनत और लागत से तैयार की गई फसल पल भर में जलकर राख हो गई, जिससे उन्हें भारी आर्थिक क्षति हुई है। किसानों ने प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं इस संबंध में परबत्ता के अंचलाधिकारी हरिनाथ राम ने बताया कि उन्हें घटना की मौखिक जानकारी मिली है, लेकिन अब तक किसी पीड़ित किसान की ओर से लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि आवेदन मिलते ही संबंधित कर्मियों को बुलाकर मामले की जांच कराई जाएगी और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एनएच-31 पर अज्ञात वाहन की ठोकर से युवक की मौत

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

खगड़िया जिले के मानसी थाना क्षेत्र अंतर्गत चुकती गांव के पास एनएच-31 पर शनिवार तड़के अज्ञात वाहन की ठोकर से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान पसराहा थाना क्षेत्र के महदीपुर गांव निवासी पुलकित सिंह के 25 वर्षीय पुत्र निराग कुमार उर्फ नीरज के रूप में हुई है। सदर अस्पताल में मौजूद परिजनों ने बताया कि युवक खगड़िया किसी पार्टी में गया था। वापस घर लौटने के दौरान मानसी थाना क्षेत्र के एनएच-31 स्थित चुकती रेल ओवरब्रिज के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद डायल 112 की पुलिस ने घायल युवक को आनन-फानन में इलाज के लिए खगड़िया सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन उसे इलाज के लिए भागलपुर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि वह खेती कर अपने दो छोटे-छोटे बच्चों और परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। इधर मानसी थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई, चोरी गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

सुल्तानगंज स्टेशन से सोना-चांदी, मोबाइल व नकदी बरामद; जयनगर-हावड़ा एक्सप्रेस से गांजा भी मिला

अभिषेक अग्रवाल, दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। रेलवे परिसरों और ट्रेनों में अपराध तथा अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियानों के तहत मालदा मंडल की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को बड़ी सफलता मिली है। यह कार्रवाई मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन और मंडल सुरक्षा आयुक्त अशिम कुमार कुल्लू के पर्यवेक्षण में की गई। विशेष अभियान के दौरान सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ कर्मियों ने यात्रियों की संपत्ति चोरी करने वाले गिरोह के पांच लोगों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके पास से सोने-चांदी के आभूषण, मोबाइल फोन, नकदी और चोरी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण जैसे ब्लेड, चाकू, प्लायर, कटर और स्क्रूड्राइवर बरामद किए गए। बरामद सामान की अनुमानित कीमत करीब 7 लाख 60 हजार रुपये बताई जा रही है। इसी क्रम में ऑपरेशन नार्कोस के तहत चलाए गए एक अन्य अभियान में मालदा आरपीएफ क्राइम इंटेलिजेंस ब्रांच की टीम ने आरपीएफ पोस्ट बरहरवा के साथ मिलकर तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन के पास चेकिंग के दौरान ट्रेन संख्या 13032 जयनगर-हावड़ा एक्सप्रेस के एक जनरल कोच से संदिग्ध मादक पदार्थ (गांजा) से भरा एक लावारिस बैग बरामद किया। जांच में बैग के अंदर लगभग 4.7 किलोग्राम गांजा के चार पैकेट मिले, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 35 हजार रुपये आंकी गई है। इन अभियानों के दौरान कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों और बरामद सामग्री को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित जीआरपी को सौंप दिया गया है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने आर के मिशन पब्लिक स्कूल के निरीक्षण बाद अपने मंतव्य को किया लिपिबद्ध

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। बिहार सरकार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने आर. के. मिशन पब्लिक स्कूल पहुंचे जहां स्कूल के चेयरमैन मनोज कुमार भगत, डायरेक्टर राकेश कुमार रौशन तथा प्रबंध निदेशक ईङ्क निलेश कुमार निराला, शिवम भगत, दीपक जायसवाल तथा सहरसा के चंदन भगत आदि ने स्वागत किया।उक्त अवसर पर सैकड़ों भाजपाई कार्यकताओं की भी मौजूदगी रही। पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने स्कूल का निरीक्षण किया और विजिटर्स बुक पर अपने मंतव्य को लिपिबद्ध किया।

स्कूल से प्रस्थान करने के क्रम में कुछ लोगों ने तार किशोर प्रसाद जिंदाबाद के नारे लगाए और बोले बिहार का मुख्य मंत्री कैसा हो तारकिशोर प्रसाद जैसा हो।

नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना जनादेश के साथ विश्वासघात : अजीत शर्मा

अभिषेक अग्रवाल, दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। बिहार की राजनीति में आए हालिया बदलाव को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक अजीत शर्मा ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना बिहार की जनता के जनादेश के साथ विश्वासघात है। अजीत शर्मा ने कहा कि वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार के चेहरे पर जनता से वोट मांगे गए थे, लेकिन अब उनका बिहार छोड़कर राज्यसभा जाना जनता के साथ धोखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने नीतीश कुमार को हाईजैक कर लिया है और यह फैसला उनका व्यक्तिगत नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा का पुराना इतिहास रहा है कि वह अपने साथ रहने वाली किसी भी पार्टी को आगे बढ़ने नहीं देती। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि चिराग पासवान और चंद्रबाबू नायडू को भी इससे सबक लेना चाहिए।

कांग्रेस नेता ने नीतीश कुमार से अपील करते हुए कहा कि वे बिहार छोड़कर न जाएं, बल्कि महागठबंधन के साथ आकर दोबारा चुनाव कराएं। उनका दावा है कि यदि फिर से चुनाव होता है तो इंडिया गठबंधन बिहार में नई सरकार बनाकर विकास कार्यों को आगे बढ़ाएगा।

इसके साथ ही अजीत शर्मा ने जदयू के विधायकों से भी महागठबंधन में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी विपक्षी दलों को एकजुट होकर नई सरकार बनाने की दिशा में पहल करनी चाहिए।

मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड में सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका परबत्ता

खगड़िया जिले के परबत्ता प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड में शनिवार को ह्यसुरक्षित शनिवारह्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत छात्रों को आग लगने की घटनाओं से बचाव और उससे निपटने के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक संजय कुमार पासवान ने की, जबकि मंच संचालन शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक संजय कुमार पासवान ने कहा कि आगलगी की घटनाओं से हर वर्ष जान-माल की काफी क्षति होती है, इसलिए इसके प्रति जागरूक रहना बेहद जरूरी है। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने कहा कि आग मानव जीवन के लिए उपयोगी है, लेकिन सावधानी नहीं बरतने पर यह विनाशकारी भी हो सकती है। उन्होंने छात्रों को बताया कि आग लगने पर घबराने की बजाय शांत रहना चाहिए और तुरंत आसपास के लोगों को आवाज देकर सतर्क करना चाहिए। उन्होंने बताया कि यदि आग छोटी हो तो उसे पानी, रेत या अग्निशामक यंत्र से बुझाने का प्रयास करना चाहिए। गैस सिलेंडर में आग लगने पर पानी डालने के बजाय गीले कपड़े से ढककर बुझाने की कोशिश करनी चाहिए। वहीं कपड़ों में आग लगने पर दौड़ने के बजाय जमीन पर लेटकर ह्लरुकों, लेटो और लुढ़कोंह्ल की नीति अपनानी चाहिए। इसके अलावा अधिक धुआं होने की स्थिति में नीचे झुककर रेंगते हुए बाहर निकलने तथा तुरंत 101 या 112 नंबर पर फायर ब्रिगेड को सूचना देने की सलाह दी गई। साथ ही घर के आसपास झाड़ियों की सफाई रखने, ज्वलनशील वस्तुओं को सुरक्षित रखने और बच्चों को रसोई व हीटर से दूर रखने जैसे जरूरी सुझाव भी दिए गए। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक संजय कुमार पासवान, शिक्षक सिद्धार्थ कुमार, निरंजन कुमार, रामविनोद साह, रामलाल पंडित, मीनाक्षी कुमारी सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

मल्टी एक्टिविटी डिस्प्ले एवं गौरव पदक फेलिसिटेशन समारोह

लेफ्टिनेंट जनरल, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिण कमान, विशेष रूप से उपस्थित रहे

दैनिक बिहार पत्रिका

गया जी।ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी (ओटीए), गया में 28वीं पासिंग आउट परेड से पहले आयोजित कार्यक्रमों की कड़ी में एक शानदार मल्टी एक्टिविटी डिस्प्ले का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में पास-ाआउट होने वाले ऑफिसर कैडेट्स ने अपने बेहतरीन युद्ध कौशल, अनुशासन और सैन्य दक्षता का प्रदर्शन किया है। इस भव्य कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिण कमान, विशेष रूप से उपस्थित रहे, जो 28वीं पासिंग आउट परेड के रिव्यूइंग ऑफिसर हैं। इसके साथ ही लेफ्टिनेंट जनरल विवेक कश्यप, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, कमांडेंट, ओटीए गया तथा एकेडमी के अनेक वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य अतिथि भी उपस्थित थे । इस कार्यक्रम की शुरूआत एक अत्यंत मनमोहक घुड़सवारी प्रदर्शन से हुई, जिसमें औपचारिक ध्वज मार्च, टेंट पेगिंग, घुड़सवारी बाधा दौड़ और इक्वीटेशन सिम्फनी जैसी विधाएं शामिल थीं। इन प्रदर्शनों में साहस, संतुलन, अनुशासन और घुड़सवारी की उत्कृष्ट कला की झलक देखने को मिली है। जिम्नास्टिक्स प्रदर्शन ने दर्शकों को खूब लुभाया और इसमें ऑफिसर कैडेट्स की फुर्ती, ताकत व समन्वय का प्रभावशाली प्रदर्शन स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ है। हाई हॉर्स डिस्प्ले ने ऑफिसर कैडेट्स के अद्भुत नियंत्रण, आत्मविश्वास और शिष्टता से सभी को प्रभावित किया है। समारोह का समापन एक आकर्षक आतिशबाजी के साथ हुआ, जिसने रात्रिकालीन आकाश को प्रकाशमान कर दिया और उपस्थित परिजनों व दर्शकों के मन में एक अविस्मरणीय छाप छोड़ी है। ऑफिसर कैडेट्स ने इन जीवंत प्रदर्शनों के माध्यम से असाधारण अनुशासन और परिपक्व युद्ध कौशल का परिचय दिया है। उनकी सुव्यवस्थित और समन्वित गतिविधियों ने साहस, दृढ़ता और एक सच्चे योद्धा की भावना को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया है। उनके प्रदर्शन में दिखने वाले आत्मविश्वास, दक्षता और ऊर्जा ने दर्शकों को भारतीय सेना के भावी अधिकारियों की कर्तव्यनिष्ठा और लगन से परिचित कराया है। मल्टी एक्टिविटी डिस्प्ले के साथ-साथ इसी अवसर पर गौरव पदक समारोह का भी आयोजन किया गया है, जिसमें पासआउट होने वाले ऑफिसर कैडेट्स के गर्वित परिजनों को सम्मानित किया गया है। यह समारोह उन परिवारों के अटूट समर्थन और बलिदान को श्रद्धांजलि थी, जिन्होंने देश की सेवा के लिए अपने बेटे-बेटियों को सशस्त्र सेनाओं को सौंपा है। माता-पिता को गौरव पदक से सम्मानित कर यह संदेश दिया गया कि राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान अतुलनीय है। उनका यह मूक बलिदान ही सैन्य मनोबल की असली नींव है। उनके इस योगदान के प्रति कृतज्ञता जताते हुए एक भव्य रात्रिभोज का भी आयोजन किया गया है। ओटीए गया में शॉर्ट सर्विस कमीशन टेक्निकल (पुरुष एवं महिला) कोर्स की ऐतिहासिक तीसरी पासिंग आउट परेड 07 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली है। इस गौरवशाली अवसर पर शॉर्ट सर्विस कमीशन टेक्निकल एंट्री (पुरुष) - 64वें कोर्स के 253 और शॉर्ट सर्विस कमीशन टेक्निकल एंट्री (महिला) - 35वें कोर्स की 28 ऑफिसर कैडेट्स भारतीय सेना में कमीशन होंगे, जो एकेडमी के गौरवशाली इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगा ।

वरिष्ठ समाजसेवी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मार्कंडेय प्रसाद के निधन पर शोक सभा आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका गया

गया। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (से०) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, वरिष्ठ समाजसेवी एवं लोकप्रिय जननेता मार्कंडेय प्रसाद के आकस्मिक निधन पर पार्टी कार्यकताओं में गहरा शोक व्याप्त है। उनके असामयिक निधन को पार्टी एवं सामाजिक-राजनीतिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया गया है। पार्टी के जिला अध्यक्ष नारायण प्रसाद मांझी ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि स्वर्गीय मार्कंडेय प्रसाद जी ने अपने पूरे जीवनकाल में पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाने तथा वंचित एवं शोषित समाज की आवाज को बुलंद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, संगठन के प्रति समर्पण और संघर्षशील जीवन सभी कार्यकताओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनकी पावन स्मृति में शोक सभा एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन पार्टी जिला कार्यालय, सुरहरी मोड़, भुसंडा, गया में 7 फरवरी को दोपहर 1:00 बजे किया गया, जिसमें उनकी पुण्य आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई है। इस मौके पर पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उपस्थित होकर स्वर्गीय मार्कंडेय प्रसाद जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नारायण प्रसाद मांझी, दीना मांझी, दिवाकर सिंह (इंजीनियर) झ जिला प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी, रामस्नेही मांझी, राजेश मांझी, राकेश मांझी, आनंद यादव, राजू यादव, योगेंद्र मांझी, रामप्रसाद मांझी, अरुण मांझी, विनोद मांझी, सदानंद प्रेमी, सिंटू मांझी, किशोरी मांझी, श्याम मांझी, सुषमा दांगी तथा वहीद आलम सहित पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बाइक की ठोकर से साइकिल सवार गंभीर घायल

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। जिले के गोगरी थाना क्षेत्र अंतर्गत राटन के पास मुख्य सड़क पर शनिवार को एक बाइक चालक ने साइकिल सवार को ठोकर मार दी। हादसे के बाद बाइक चालक मौके से फरार हो गया, जबकि साइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल को तत्काल इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल गोगरी में भर्ती कराया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। इधर गोगरी थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि घायल व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। उसकी पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

एक नजर

फुलवड़िया गांव में अगलगी से तीन घर जलकर राख

दैनिक बिहार पत्रिका बेलदौर

खगड़िया। जिले के बेलदौर प्रखंड अंतर्गत बोबिल पंचायत के वार्ड संख्या नौ स्थित फुलवड़िया गांव के नवटोलिया बासा में शुक्रवार देर रात आग लगने से तीन घर जलकर राख हो गए। हालांकि आसपास के लोगों की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया, जिससे यह विकराल रूप नहीं ले सकी। घटना में बोबिल पंचायत के वार्ड संख्या आठ निवासी स्व. बंदेलाल साह के पुत्र शंकर साह, स्व. लतरी रजक के पुत्र जितेंद्र रजक तथा किशोर रजक का एक-एक फूस का घर जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया। आग लगने के कारणों का अब तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। वहीं ग्रामीणों के बीच यह भी चर्चा है कि आग जान-बूझकर लगाई गई है। पीड़ितों का आरोप है कि जमीन पर अवैध कब्जा करने की नीयत से इस घटना को अंजाम दिया गया है, जो जांच का विषय है। इस संबंध में अंचलाधिकारी अमित कुमार ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर पीड़ित परिवारों को सरकारी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

शराब के नशे में युवक गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

खगड़िया। जिले की मानसी पुलिस ने शराब पीने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार युवक की पहचान हतदेव राम के पुत्र मिथलेश कुमार के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि गश्ती के दौरान युवक को नशे की हालत में पकड़ा गया। संदेह होने पर ब्रेथएनलाइजर से जांच की गई, जिसमें शराब पीने की पुष्टि हुई। उन्होंने बताया कि शराबबंदी कानून के तहत शराब और शराबियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है।

तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर गिरी, युवक घायल

दैनिक बिहार पत्रिका सुपौल

राघोपुर। प्रतापगंज थाना क्षेत्र के बेलही गांव में शनिवार सुबह करीब आठ बजे तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिर गई, जिससे बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल युवक को तुरंत इलाज के लिए राघोपुर रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जाता है कि युवक बाइक से दुकान जा रहा था, तभी अचानक उस-ाकी बाइक अनियंत्रित हो गई और वह सड़क किनारे गिर पड़ा। इस दुर्घटना में उसे गंभीर चोटें आई हैं। घायल युवक की पहचान प्रतापगंज थाना क्षेत्र के बेलही वार्ड संख्या-1 निवासी शनिचर सादा के 18 वर्षीय पुत्र मिथुन सादा के रूप में हुई है। फिलहाल राघोपुर रेफरल अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

डायवर्सन की मांग को लेकर ग्रामीणों ने फोरलेन सड़क किया जाम

दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। भागलपुर-मुंगेर फोरलेन सड़क मार्ग के खड़िया पिपरा होल्ट के पास डायवर्सन नहीं बनाए जाने को लेकर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने शनिवार को एकजुट होकर सड़क जाम कर दिया। इस दौरान लोगों ने जिला प्रशासन और फोरलेन निर्माण एजेंसी के खिलाफ नाराजगी जताई। खड़िया पिपरा पंचायत के मुखिया संजय कुमार सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा डायवर्सन की स्वीकृति मिलने के बावजूद अब तक इसे लागू नहीं किया गया है। इसी के विरोध में ग्रामीणों ने स्थल पर घंटों सड़क जाम कर प्रशासन से तत्काल डायवर्सन बनाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। वहीं मुंगेर जिले के जिलाधिकारी ने दूरभाष पर मुखिया संजय कुमार सिंह से बात कर आश्वासन दिया कि सोमवार को कार्यालय आकर बातचीत करें और खड़िया पिपरा होल्ट के पास डायवर्सन की व्यवस्था पर विचार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुखिया संजय कुमार सिंह ने इस मामले को लेकर बिहार सरकार के गृहमंत्री सम्राट चौधरी और भागलपुर के जिलाधिकारी को भी पत्र लिखकर अवगत कराया था। मौके पर खड़िया पिपरा के मुखिया संजय कुमार सिंह, मुंगेर के बरियापुर के जिला परिषद सदस्य दुर्गेश कुमार सिंह, सरपंच उधो यादव, पैक्स अध्यक्ष राजेश कुमार, मुन्ना जायसवाल, वार्ड सदस्य सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

मुरलीगंज प्रखंड कार्यालय में शुद्ध पेयजल का अभाव, लोग परेशान

दैनिक बिहार पत्रिका

मधेपुरा। मुरलीगंज प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं होने से यहां आने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तेज धूप और बढ़ती उमस के बीच दूर-दराज से प्रखंड मुख्यालय पहुंचने वाले लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। प्रखंड के विभिन्न पंचायतों से लोग आधार कार्ड बनवाने, सुधार कराने, जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र बनवाने समेत अन्य कार्यों के लिए ब्लॉक और अंचल कार्यालय आते हैं। कई लोगों को अपने काम के लिए घंटों कार्यालय परिसर में इंतजार करना पड़ता है, लेकिन वहां शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं है। जानकारी के अनुसार प्रखंड कार्यालय परिसर में दो चापाकल लगे हैं, लेकिन दोनों वर्षों से खराब पड़े हैं और पानी नहीं दे रहे हैं। वहीं ब्लॉक परिसर के उत्तरी छोर पर लगा एक नल आयरनयुक्त दूषित पानी देता है, जिसके कारण लोग उसका उपयोग करने से परहेज करते हैं। ऐसे में गरीब तबके के लोगों को भी मजबूरी में बोतलबंद पानी खरीदकर प्यास बुझानी पड़ रही है। गौरतलब है कि अधिकारियों के लिए कार्यालय के अंदर आरओ की व्यवस्था है, लेकिन उसका लाभ अधिकतर पदाधिकारियों और कर्मियों को ही मिल पाता है। आम लोगों को शुद्ध पानी के लिए भटकना पड़ता है। बीस सूत्री अध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा कि प्रखंड प्रशासन को आम लोगों की सुविधाओं के प्रति गंभीर होना चाहिए, ताकि ब्लॉक आने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाएं मिल सकें। वहीं सीपीआई नेता अनिल भारती ने कहा कि प्रखंड प्रशासन आम लोगों की समस्याओं से बेखबर है और परिसर में शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। सीपीआई नेता रमेश शर्मा ने भी कहा कि ब्लॉक परिसर में आम लोगों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नदारद है और इस दिशा में प्रशासन को अविलंब पहल करनी चाहिए।

यूजीसी बिल के विरोध में दिल्ली कूच कर रहे यति रणसिंहानंद रोके गए

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। यति रणसिंहानंद को यूजीसी बिल के विरोध में दिल्ली के जंतर मंतर जा रहे पैदल मार्च के दौरान गाजियाबाद में रोक दिया गया। पुलिस ने अनुमति न होने का हवाला दिया, जबकि रणसिंहानंद ने दिल्ली पुलिस से अनुमति का दावा किया। इसके साथ ही यति रणसिंहानंद का कहना है कि यात्रा डासना देवी मंदिर से शुरू होकर जब अपने निर्धारित मार्ग से आगे बढ़ रही थी, तभी भारी पुलिस बल मोरटा में मौके पर पहुंचा और यात्रा को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। इसके बाद संतों एवं यात्रा में शामिल कई कार्यकर्ताओं को पुलिस द्वारा वहीं नजरबंद कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि यात्रा की अनुमति नहीं ली गई है। इसलिए यात्रा रोकी गई है।

281 सैन्य अफसर, 28 बेटियों ने भरी उड़ान, ओटीएमें पासिंग आउट परेड

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने सलामी ली, 28 महिला कैडेट्स भी बनीं सैन्य अधिकारी.

दैनिक बिहार पत्रिका

गया जी।अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, गया में एक गौरवपूर्ण अवसर पर, शॉर्ट सर्विस कमीशन तकनीकी (पुरुष एवं महिला) कोर्सेज के रूप में अकादमी की 28वीं पासिंग आउट परेड में युवा सेना अधिकारियों को भारतीय सेना में कमीशन प्रदान किया गया है। यह परेड परिवर्तनशील और कठोर सैन्य प्रशिक्षण की सफल परिणति का प्रतीक थी और अकादमी के आदर्श वाक्य श्शौर्य, ज्ञान, संकल्पश्र के अनुसार उत्कृष्टता, अनु-शासन और नेतृत्व के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दशार्ती है।गया जी।ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकैडमी ओटीए के प्रांगण में भव्य पासिंग आउट पर-ेड का आयोजन किया गया है।281 जेंटलमैन कैडेट्स पास आउट हुए हैं।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दक्षिणी कमान के कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ शामिल हुए हैं, जहां उन्होंने परेड की सलामी भी ली है। पासिंग आउट पर-ेड के दौरान जेंटलमैन कैडेट्स के द्वारा शानदार परेड मार्च किया गया है।इस कार्यक्रम के दौरान कई सैन्य अधिका-री एवं जेंटलमैन कैडेट्स के अभिभावक भी मौजूद थे।इस परेड के दौरान अंतिम पग रखकर कुल 281 जेंटलमैन कैडेट्स पास आउट हुए और सैन्य अधिकारी बने हैं । पिपिंग सेरेमनी का भी आयोजन किया गया है। जहां अभिभावकों ने अपने बच्चों के कंधे पर बैच लगाकर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं. वहीं जेंटलमैन कैडेट्स ने भी एक-दूसरे को गले लगा कर बधाई दी है।लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने किया संबोधन में कहा कि दक्षिणी कमान के कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने कहा कि आज से आपके नए जीवन की शुरूआत हो रही है। आप भारतीय सेना का हिस्सा बन चुके हैं।"विभिन्न सैन्य संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त कर आप देश को अपनी सेवा देंगे. आपके उज्जवल भविष्य की हम कामना करते हैं। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ, पी भी एस एम,यू व्याई एस एम ,ए भी एस एम जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी कमान ने परेड की समीक्षा की है और अधिका-री कैडेटों को उनके प्रशिक्षण की सफल सफलतापूर्वक पूरा होने पर उन्हें बधाई दी है। अपने संबोधन में, समीक्षा अधिकारी ने नए कमीशन्ड अधिकारियों को नवाचार अपनाने, अपने ज्ञान को निरंतर बढ़ाते रहने और बदलते युद्ध क्षेत्र के वातावरण में अनुकूल रहने के लिए प्रेरित किया है, इसके साथ ही भारतीय सेना के मूल मूल्यों और परंपराओं को दृढ़ता से संजोये रखने का आह्वान किया है। कुल 281 अधिकारी कैडेटों को कमीशन प्रदान किया गया, जिनमें श-ॉर्ट सर्विस कमीशन तकनीकी प्रवेश (पुरुष) - 64वें पाठ्यक्रम के 253 अधिकारी कैडेट और शॉर्ट सर्विस कमीशन तकनीकी प्रवेश (महिला) - 35वें पाठ्यक्रम की 28 अधिकारी कैडेट शामिल थीं। 28 महिला सैन्य अफसर भी देश को मिले देश के तीन सैन्य अधिकारी ट्रेनिंग सेंटर में गया ओटीए भी शामिल है, जहां से हर साल सैकड़ो की संख्या में जेंटलमैन कैडेट्स ट्रेनिंग के बाद देश के सैन्य अधिकारी के रूप में कमीशन लेते हैं. आज हुए परेड के बाद 28 महिलाएं भी ओटीए में पीओपी के बाद सैन्य अधिकारी बनीं है। कमीशन, अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, गया की बढ़ती विरासत में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और भारतीय सेना के नेतृत्व संवर्ग को मजबूत करता है। परेड पारंपरिक ह्यअंतिम पगह्ल के साथ समाप्त हुई, जब नए कमीशन्ड अधिकारियों ने कमीशन सेवा में अपना पहला कदम आगे बढ़ाया है । इसके बाद पिपिंग समारोह हुआ, जो अधिकारियों और उनके परिवारों के लिए गर्व और संतुष्टि का क्षण था, जहां उनके कंधों पर सितारे लगाए गए और निष्ठा की पवित्र शपथ दिलाई गई, जो राष्ट्र के प्रति सम्मान, कर्तव्य और सेवा के लिए प्रतिबद्ध अधिकारियों के रूप में उनकी यात्रा की शुरूआत को चिह्नित करती है। इन कार्यक्रमों में गर्वित माता-पिता, परिवार के सदस्य, वरिष्ठ सेना अधिकारी और प्रतिष्ठित अतिथि उपस्थित थे।

एलएंडटी फाइनेंस कर्मी से लूट मामले में एक और बदमाश गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका

सिमरी बख्तियारपुर, सहरसा बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के टेंगराहा गांव के समीप बीते 10 जनवरी को एलएंडटी फाइनेंस कंपनी के कर्मी से हुई लूट की घटना में पुलिस को सफलता मिली है। इस मामले में बख्तियारपुर पुलिस ने अप्राथमिकी अभियुक्त पुतुल कुमार को शुक्रवार देर शाम गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले पुलिस इस कांड में शामिल एक अन्य आरोपी छोटू कुमार को भी गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि तीसरा बदमाश अभी फरार बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार खगड़िया जिला के महेशखूंट निवासी गुड्डू कुमार एलएंडटी फाइनेंस कंपनी में कार्यरत हैं। 10 जनवरी को वे विभिन्न गांवों में कलेक्शन कर सिमरी बख्तियारपुर स्थित शाखा लौट रहे थे। इसी दौरान टेंगराहा गांव से आगे बांसवाड़ी के समीप स्प्लेंडर बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि दो बदमाशों ने उनका हाथ पक-ड़ लिया, जबकि तीसरे ने हथियार का भय दिखाकर उनके पैंट की जेब से 49,300 रुपये छीन लिए और फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित कर्मी द्वारा बख्तियारपुर थाना में शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही थी। इसी क्रम में पुलिस ने दूसरे आरोपी पुतुल कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष अमरनाथ कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद न्यायालय भेज दिया गया है। घटना में शामिल एक अन्य बदमाश की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। जल्दी ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा

राज्यसभा जाने के बाद सीएम आवास छोड़ेंगे नीतीश कुमार

दैनिक बिहार पत्रिका पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने का निर्णय लेते हुए चुनाव के लिए नामांकन दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार 16 मार्च को मतदान होगा और चुनाव में जीत के बाद वे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। मुख्यमंत्री पद छोड़ने के साथ ही नीतीश कुमार को लगभग दो दशक से आवंटित सरकारी आवास 1 अणे मार्ग भी खाली करना पड़ेगा। इसके बाद उन्हें नया सरकारी आवास आवंटित किया जाएगा।

बताया जा रहा है कि सीएम आवास छोड़ने के बाद नीतीश कुमार 7 सर्कुलर रोड स्थित बंगले में शिफ्ट होंगे। यह बंगला सुरक्षा और सुविधाओं के लिहाज से काफी बेहतर माना जाता है और वीआईपी तथा हाई सिक्योरिटी जोन में स्थित है। इस आवास की चारदीवारी ऊंची है और पूरा परिसर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रहता है। यहां 24 घंटे सुरक्षा बल तैनात रहते हैं तथा आने-जाने वाले लोगों के लिए अलग व्यवस्था की गई है। बंगले के आगे से पीछे तक बड़ा लॉन फैला हुआ है और परिसर में एक तालाब भी है, जहां छठ पर्व के दौरान अर्घ्य दिया जाता है। इसके अलावा परिसर में हरियाली, गार्डन, कर्मचारियों के लिए अलग क्वार्टर, पर्याप्त पार्किंग, बिजली बैकअप और जेनरेटर की सुविधा भी उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्री रहने के दौरान नीतीश कुमार इसी बंगले में रहते थे और अब एक बार फिर इसी आवास से बिहार की सियासी गतिविधियों पर नजर रखेंगे।

अमेरिका के साथ संधि किसी भी संघर्ष में शामिल होने हमें मजबूर नहीं कर सकती: भारत

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली,(एजेंसी)। श्रीलंका के दक्षिणी समुद्री तट के पास हिंद महासागर में अमेरिका ने ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस डेना को परमाणु पनडुब्बी से टॉरपीडो हमला करके डुबोया है, उसके बाद भारत और अमेरिका के बीच हुई एक दशक पुरानी संधि लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट की अहमियत बढ़ गई है। दरअसल, बिना संधि का जिक्र किए अमेरिकी सेना के एक पूर्व अधिकारी ने इसकी ओर इशारा करते हुए एक झूठा दावा किया है, जिसके बाद इसे समझना जरूरी हो गया है। भारत सरकार ने पहले ही साफ कर दिया है कि यह संधि किसी भी संघर्ष में शामिल होने के लिए हमें मजबूर नहीं कर सकती। भारत और अमेरिका ने 29 अगस्त, 2016 को लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए थे। यह एक तरह से बुनियादी सैन्य समझौता है, जिसके तहत एक-दूसरे को ईंधन भरने, सप्लाई और मरम्मत के लिए मिलिट्री सुविधाओं के आपसी इस्तेमाल की सुविधा मिलती है। अमेरिका की कई देशों के साथ ऐसी संधि है। यह संबंधित देशों और अमेरिका के बीच आपसी सैन्य सहयोग के लिए की गई है। यह संधि मूल रूप से दोनों देशों को सैन्य गतिविधियों के लिए ईंधन और मरम्मत जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराती है। भारत-अमेरिका लंबे समय से साझा युद्धाभ्यास करते हैं, जिसमें इस तरह की प्रैक्टिस हमेशा से रही है। इस संधि के जरिए सिर्फ इस प्रक्रिया को स्ट्रीमलाइन किया गया है और दोनों ओर से भुगतान और अन्य लॉजिस्टिक सुविधाओं के उपयोग के लिए नोडल प्वाइंट तय किए गए हैं। आपस में लॉजिस्टिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के अलावा यह संधि मुख्य तौर पर चार क्षेत्रों को कवर करती है। इसमें पोर्ट कॉल, संयुक्त युद्धाभ्यास, साझा मिलिट्री ट्रेनिंग और मानवीय सहायता के साथ-साथ आपात स्थिति में मदद करना शामिल है। हालांकि, किसी भी स्थिति में इस संधि पर अमल दोनों तरफ से आपसी सहमति से ही हो सकता है, जो मामले पर निर्भर करता है। इस समझौते में ऐसी कोई भी व्यवस्था नहीं है। भारत की धरती पर अमेरिकी सैनिक या संपत्ति का कोई अड्डा नहीं हो सकता है। यह पूरी तरह से एक लॉजिस्टिक समझौता है। भारत जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सैन्य सुविधाओं का जरुरत के मुताबिक लॉजिस्टिक इस्तेमाल कर सकता है और यही अमेरिका भी भारत में कर सकता है। यह समझौता भारत को किसी भी संघर्ष में शामिल होने का दबाव नहीं डाल सकता और न ही इसकी वजह से भारत स्वतः किसी अंतरराष्ट्रीय संघर्ष में शामिल होने को मजबूर है। दरअसल, अमेरिकी सेना के एक रिटायर्ड अधिकारी ने एक अमेरिकी मीडिया चैनल पर झूठा दावा किया कि अमेरिका ईरान पर हमले के लिए भारतीय नौ सैनिक अड्डे का इस्तेमाल कर रहा है। अमेरिकी पनडुब्बी ने टॉरपीडो हमले में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस डेना को भारत के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन के बाहर हिंद महासागर में डुबोया है। भारत का एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन भारतीय समुद्र तट से करीब 370 किलोमीटर या 200 नॉटिकल मील तक फैला है। मतलब, श्रीलंका के दक्षिणी तट से दूर जिस जगह पर अमेरिकी हमला हुआ, वह भारतीय समुद्री सीमा से बहुत दूर है। आईआरआईएस डेना में 130 ईरानी नाविक सवार थे, जिनमें अमेरिकी हमले में 87 लोगों की मौत हो गई और 32 को श्रीलंकाई नेवी ने रेस्क्यू किया। आईआरआईएस डेना से आपात संदेश मिलने के बाद भारतीय नौ सेना भी सर्च ऑर रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल हुई थी।

कम खर्च में शीघ्र न्याय प्रदान करना और लंबित मुकदमों का निपटारा

दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल : व्यवहार न्यायालय परिसर में शनिवार को आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जागरूकता अभियान की शुरूआत की गई। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनंत सिंह न्यायालय परिसर में जागरूकता रथ को हरी झंडी दिख-ाकर रवाना किया। यह रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को लोक अदालत के बारे में जागरूक करेगा इस दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनंत सिंह ने बताया कि 14 मार्च 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिसमें अधिक से अधिक लोगों से अपने सुलहनीय मामले का निपटारा कराने की अपील की गई। उन्होंने कहा कि लोक अदालत ऐसे मामले का त्वरित और आपसी सहमति से समाधान किया जाता है जिससे लोगों को लंबे समय तक न्यायालयों का चक्कर नहीं लगाने पड़ते हैं। आपसी सहमति से अपने मामले का समाधान कर सकते हैं उन्होंने बताया कि लोक अदालत में बैंक लोन से संबंधित मामले ,चेक बाउंस, बिजली से जुड़े विवाद, आपराधिक सुलहनीय मामले, वैवाहिक (मेट्रोमोरियल) विवाद तथा अनसुलानिया मामले के निपटारे के लिए अलग-अलग बेंच गठित की जाएगी। संबंधित पक्षकार इन बेंच के समक्ष उपस्थित होकर अपनी सहमति से अपने मामले का समाधान करा सकते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अफजल आलम ने जानकारी देते हुए बताया कि लोक अदालत के लिए जिले में 3300 से अधिक मामले की पहचान की गई है। इसके अलावा बैंक लोन से जुड़े लगभग 13,660 मामले को लेकर संबंधित पक्षकारों को नोटिस भी भेजा गया है ताकि वह लोक अदालत में उपस्थित होकर अपने मामले का समाधान कर सके। श्री अफजाल आलम ने बताया की लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लोगों में सुलभ, त्वरित और कम खर्च में न्याय उपलब्ध कराना है इसके माध्यम से लंबित मामले के निष्पादन में भी तेजी आती है और न्यायालय का बोझ कम होता है, इस मौके पर प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय राहुल उपाध्याय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम दिलीप सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश बिनय संकर मुख्य दंडाधिकारी रामचंद्र प्रसाद समेत अन्य न्यायिक पदाधिकारी एवं न्यायालय कर्मी मौजूद थे।

छह साल से अधूरा पुल निर्माण, विधायक ने किया स्थल निरीक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका

अररिया। रानीगंज प्रखंड के बगुलाहा पंचायत में मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना के तहत बड़हरा चौक से शिव मंदिर टोला पथ में बन रहे पुल एवं संपर्क पथ निर्माण कार्य का शनिवार को विधायक अविनाश मंगलम ने स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने बताया कि संवेदक द्वारा लगभग छह वर्षों से निर्माण कार्य लंबित रखा गया है। साथ ही सूचना पट्ट पर कार्य प्रारंभ एवं पूर्ण होने की तिथि भी अंकित नहीं है, जो गंभीर अनियमितता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि पुल निर्माण कार्य अधूरा रहने के कारण स्थानीय ग्रामीणों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

मौके पर ही विधायक ने दूरभाष के माध्यम से सहायक अभियंता को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्य को शीघ्र पूरा कराने तथा अनियमितताओं की जांच कर का-र्रवाई करने को कहा। विधायक अविनाश मंगलम ने कहा कि जनता की सुविधा और क्षेत्र के विकास से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

(चिंतन-मनन)

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर। इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा। हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं। अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बारह नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नही पकड़ती। चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है। तुम चौदहवें हो और तुम्हें चौदहवें का कोई पता भी नहीं। तुम न जीवन हो, न मौत। तुम दोनो के पार हो। अगर इन तेरह के प्रति सजग हो जाओगे, पृथक हूं, मै अन्य हूं। शरीर और, मैं और। और यह जो भीतर भिन्नता, शरीर से अलग चैतन्य का अविर्भाव होगा, इसकी न कोई मृत्यु है, न कोई जीवन है। यह न कभी पैदा हुआ, न कभी मरेगा।

किस दबाव में झुके नीतीश : भाजपा खुश, विपक्ष हैरान

समाज को चौंकाते रहना समाजवादियों का शगल रहा है। नीतीश कुमार भी समाजवादी विचारधारा से ही आते हैं। ऐसा भी नहीं है कि नीतीश कुमार ने होली के दूसरे दिन बिहार और देश के लोगों को पहली बार चौंकाया है। वह पहले भी चौंकाते रहे हैं। कभी अपने धुर विरोधी लालू प्रसाद यादव के महागठबंधन से हाथ मिलाकर सत्ता सुख भोगने के लिए, तो कभी भाजपा और एनडीए के साथ गठबंधन करके। अपने इसी हुनर के कारण नीतीश करीब साढ़े 19 वर्षों से बिहार की सत्ता पर काबिज हैं। इसीलिए विरोधी उन्हें कुर्सी कुमार भी कहते रहे हैं। लेकिन, इन सब के बीच यह कहना गलत नहीं होगा कि नीतीश कुमार की स्वीकार्यता पक्ष-विपक्ष दोनों में तीन दशक से बनी हुई है। सही मायनों में नीतीश पिछले दो दशकों से बिहार की सत्ता की धुरी रहे हैंफिलहाल, बिहार में सबकुछ ठीक चल रहा था। 2025 में हुए विधानसभा चुनाव में एनडीए को उम्मीद से अधिक वोट और सीटें मिली थीं। कुल 243 सदस्यीय विधानसभा में एनडीए को 202 सीटें मिली थीं। नीतीश कुमार 10 वीं बार 20 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लिये थे। बिहार के लिए यह नया उदाहरण है। लेकिन अचानक होली के दूसरे दिन नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर पक्ष-विपक्ष समेत बिहार के आम अवाम को चौंका दिया। अपने ट्वीट संदेश में नीतीश ने लिखा कि ह्यदो दशक से अधिक समय से आपने मेरे साथ लगातार विश्वास और समर्थन बनाये रखा। इसकी ही ताकत थी कि बिहार आज विकास और सम्मान का नया आयाम प्रस्तुत कर रहा है। संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही इच्छा थी कि बिहार विधानमंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के दोनों सदनों का भी सदस्य बनूं। इसी क्रम में राज्यसभा सदस्य बनना चाह रहा हूं। बिहार की नई सरकार को मेरा पूरा समर्थन रहेगा।ह्य और फिर तीन घंटे के भीतर उन्होंने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में राज्यसभा के लिए पर्चा दाखिल कर दिया। नीतीश कुमार के इस फैसले से जनता दल (यूनाईटेड) के कार्यकताओं में गुस्से की लहर दौड़ गई। राज्यभर में विरोध-प्रदर्शन होने लगे। कार्यकर्ता इसे भाजपा की चाल में नीतीश को फंसाने, पार्टी के ही कुछ बड़े नेताओं पर भाजपा के लिए काम करने और जनमत का अपमान बताने लगे। उन्होंने पटना स्थित पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ भी की और नीतीश से अपना फैसला वापस लेने की मांग करने लगे। उनका कहना था कि मतदाताओं ने नीतीश के नाम पर वोट किया था। यह फैसला मतदाताओं की अनदेखी है। नाराज जदयू कार्यकताओं ने जदयू दफ्तर में लगे प्रधानमंत्री के पोस्टर पर कालिख पोत दी। नाराजगी सिर्फ कार्यकताओं में ही नहीं है। जदयू के श्याम रजक, विनय चौधरी समेत कई विधायक नीतीश के इस फैसले से इत्तेफाक नहीं रखते। विधायक अनिल चौधरी तो खुलकर कहते हैं कि साढ़े तीन महीने में आखिर ऐसा क्या हो गया कि मुख्यमंत्री को ऐसा निर्णय लेना पड़ा। जदयू एमएलसी नीरज कुमार कहते हैं कि जदयू के कार्यकताओं को दुख है। जिन लोगों ने हमें वोट नहीं दिया वे भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। अब सीएम ने बिहार छोड़कर दिल्ली जाने का फैसला किया है। लेकिन पार्टी ने जिनको जिम्मेदारी दी है, उनके सामने यह सवाल है कि अब राजनीतिक विरासत कौन संभालेगा ? नीतीश कुमार को अगर किसी समस्या के बारे में पता चलता था तो वो तुरंत एक्शन लेते थे। अब यह कौन करेगा ? उधर, नीतीश की इस चाल से विपक्ष की बोलती बंद हो गई। उनकी रही-सही उम्मीदों पर ओले गिर गए। विपक्ष के नेता भले ही नीतीश कुमार को कुछ वर्षों से ह्यपलटू-रामह्ण कहा करते थे लेकिन उनके मन में हमेशा यह बात रहती थी कि नीतीश कभी न कभी भाजपा के दबाव से ऊबकर उनके साथ आ सकते हैं। लेकिन इस बार नीतीश ने कोई मौका नहीं दिया। दूसरे शब्दों में कहें तो पिछले विधानसभा चुनाव में मतदाताओं ने महागठबंधन को इतनी सीटें नहीं दी जिससे नीतीश उनके साथ कोई जोड़तोड़ कर पाते। महागठबंधन के सबसे बड़े दल राष्ट्रीय जनता दल को महज 25 सीटें मिली हैं। मुश्किल से तेजस्वी को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा मिला है। कांग्रेस और कमजोर हुई है। हां, नीतीश के इस कदम से भाजपा की बाछें खिल गयी है।

बिहार में पहली बार उसे सरकार बनाने का मौका मिल रहा है। पिछले 21 वर्षों से भाजपा नीतीश की पिछलग्गू बनी हुई थी। नीतीश महागठबंधन के पाले में जाते थे तो उसे विपक्ष में बैठना पड़ता था। बीच के वर्षों में दो बार ऐसा हो चुका है। अब पहली बार उसे खुलकर खेलने का मौका मिलेगा। इसके अलावा नीतीश के शासनकाल की चुनावी घोषणाओं को पूरा करने की उसकी जवाबदेही भी नहीं रहेगी। साढ़े चार साल तक उसका निष्कंटक राज चलेगा। गठबंधन में शामिल जदयू के नेता समय के साथ या तो भाजपा में चले जाएंगे अथवा खंड-खंड हो जाएंगे। भाजपा का यही इतिहास रहा है। यकीन न हो तो इंडियन नेशनल लोकदल, अकाली दल, शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस आदि का इतिहास देख लें। पता चल जाएगा। जानकार दावा तो यह भी करते हैं कि भाजपा अपनी मुहिम में काफी पहले से लगी थी। 2020 के विधानसभा चुनाव में लोगों ने बखूबी देखा कि किसके इशारे पर चिराग की लोजपा ने भाजपा के टिकट से वंचित नेताओं को अपने बैनर तले जदयू उम्मीदवारों के खिलाफ मैदान में उतार दिया था। नतीजतन, जदयू 43 सीटों पर सिमट गयी थी। 2025 चुनाव के दौरान टिकट बंटवारे में भाजपा ने जदयू की सीटिंग सीटें भी लोजपा को दे दी थी। जदयू की ओर से सीटों की बातचीत कर रहे पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और मंत्री राजीव रंजन सिंह ऊर्फ ललन सिंह मान भी गए थे। लेकिन समय रहते नीतीश सचेत हो गए और उन्होंने करीब आधा दर्जन सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए थे। वे जीतकर आ भी गए। तब भाजपा के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह मन मसोस कर रह गए थे। यही नहीं चुनाव के दौरान भी एक टीवी इंटरव्यू में अमित शाह ने साफ कहा था कि मुख्यमंत्री का फैसला विधायक करेंगे। हालांकि नुकसान होता देख भाजपा नेताओं को चुनाव के बीच नीतीश के नाम पर मुहर लगानी पड़ी थी। सवाल उठता है कि अब अचानक ऐसी क्या स्थिति बन गयी कि नीतीश कुमार को बिहार की सत्ता रास नहीं आ रही है। राज्यसभा में तो नीतीश जब चाहते जा सकते थे। रही बात बेटे निशांत को राजनीति में लांच करने की, तो नीतीश को कौन रोक रहा था। जदयू के नेता-कार्यकर्ता तो पहले से इसकी मांग कर रहे थे। नीतीश चाहते तो देश में सर्वाधिक दिन तक मुख्यमंत्री बनने का रिकॅार्ड अपने नाम कर सकते थे। लेकिन इस उपलब्धि से चूक क्यों गए ? इसका जवाब तो नीतीश ही दे सकते हैं। फिलहाल, देश में सबसे अधिक दिनों 24 वर्ष 166 दिन मुख्यमंत्री रहने का रिकॅार्ड सिक्किम के पवन कुमार चामलिंग के नाम है। नवीन पटनायक (ओडिशा) 24 वर्ष 94 दिन, ज्योति बसु (पश्चिम बंगाल) 23 वर्ष 137 दिन, गेगोंग अपांग (अरुणाचल प्रदेश) 22 वर्ष 250 दिन, ललथनहवला (मिजोरम) 22 वर्ष 60 दिन, वीरभद्र सिंह (हिमाचल प्रदेश) 21 वर्ष 13 दिन, और माणिक सरकार (त्रिपुरा) 19 वर्ष 363 दिनों तक मुख्यमंत्री रहे। नीतीश का नंबर आठवें पायदान पर आता है।

राष्ट्रीय भाव से बड़ी विचारधारा नहीं -नौजवानों में राष्ट्रीयता की भावना को जगाने की तात्कालिक जरूरत

वैश्विक स्तरपर सबसे युवा देश जिसकी 65 फीसदी आबादी उसकी सबसे मूल्यवान संपत्ति है वह है भारत !जहां दुनियाँ की युवा आबादी का पांचवा हिस्सा है जो एक जनसांख्यिकीय लाभांश पैदा करने की ताकत रखता है, इतिहास गवाह है कि आज तक दुनियाँ में जितने भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं, चाहे वे सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक रहे हों, उनके मुख्य आधार युवा ही रहे हैं। भारत में भी युवाओं का एक समृद्ध इतिहास है। प्राचीनकाल में आदिगुरु शंकराचार्य से लेकर गौतम बुद्ध और महावीर स्वामी ने अपनी युवावस्था में ही धर्म और समाज सुधार का बीड़ा उठाया था।पुनर्जागरण काल में राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती के साथ विवेकानंद जैसे युवा विचारक ने धर्म और समाज सुधार आंदोलन का नेतृत्व किया। इतिहास ने युवाओं की शक्ति का प्रभाव देखा है। उदाहरण के तौर पर भारत की आजादी में अनेक युवाओं ने अपना योगदान दिया और कई युवाओं ने बलिदान तक दिया। इसके परिणामस्वरूप हमारा देश ब्रिटिश सरकार को भागने में कामयाब हुआ। युवाओं ने इस प्रकार अनेक ऐतिहासिक बदलाव किए हैं। इसलिए आज का युवा भी विजन 2047, विजन 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की देश की अर्थव्यवस्था के महत्वकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जो कार्यबल के साथ साथ बाजार की उपलब्धि करा सकता है।नवाचार, नवोन्मेष, स्टार्टअप, उद्यमशीलता, विविधता की संस्कृति को चला रहे हैं ऐसी मुल्यवान ताकत युवाओं में हमें राष्ट्र हित से जुड़े मुद्दों की समझ विकसित करने, उनकी चिंताओं जिज्ञासाओं को समझकर उनको उत्साहवर्धन करने की तात्कालिक खास जरूरत है जो सर्वोपरि राष्ट्र सेवा है, क्योंकि यदि राष्ट्रहित सर्वोपरि होगा तो हमारा राष्ट्र आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक, अन्तर्राष्ट्रीय बाधाओं सहित अनेक मुद्दों और विषयों में सुरक्षित होगा। साथियों बात अगर हम युवाओं को उत्साहवर्धन की करें तो आज अभिभावकों, शिक्षकों, बुद्धिजीवियों, राजनीतिक नेताओं से लेकर हर उस जानकार व्यक्तित्व का कर्तव्य है कि युवाओं में राष्ट्रहित की भावना को तेजी से विकसित करें युवाओं में यह भाव पैदा करना होगा कि घर से महत्वपूर्ण समाज, उस से महत्वपूर्ण गांव, शहर, राष्ट्र है। इसलिए राष्ट्र हित की भावना सबसे पहले युवाओं में जागृत कराना जरूरी हैं। क्योंकि, युवा राष्ट्र का संरचनात्मक और कार्यात्मक ढांचा है। हर राष्ट्र की सफलता का आधार उसकी युवा पीढ़ी और उनकी उपलब्धियाँ होती हैं। राष्ट्र का भविष्य युवाओं के सर्वांगीण विकास में निहित है। इसलिए युवा राष्ट्र निर्माण में सर्वोच्च भूमिका निभाते हैं, इसके साथ ही देश का प्रत्येक नागरिक अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट और सर्वोच्च विकास के लिए प्रयासरत रहे। वास्तव में यही राष्ट्रहित है। जाति, धर्म और क्षेत्रीयता की संकीर्ण मानसिकता से उपर उठकर देश के प्रति गर्व की एक गहरी भावना महसूस करना ही राष्ट्रवाद है। साथियो बात अगर हम भारत के सबसे कम उम्र वाली आबादी होने की करें तो, भारत के 1.35 बिलियन लोग इसे दुनियाँ का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश बनाते हैं, लेकिन औसतन 29 वर्ष की आयु के साथ, यह विश्वस्तर पर सबसे कम उम्र की आबादी में से एक है। जैसे ही युवा नागरिकों का यह विशाल संसाधन कार्यबल में प्रवेश करता है, यह एक जनसांख्यिकीय लाभांश बना सकता है।संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष द्वारा जनसांख्यिकीय लाभांश को जनसंख्या की आयु संरचना में बदलाव के परिणामस्वरूप आर्थिक विकास के रूप में परिभाषित किया जाता है, मुख्यतः जब कामकाजी उम्र की आबादी आश्रितों की संख्या से बड़ी होती है। साथियों बात अगर हम युवाओं में राष्ट्रहित, राष्ट्रीयता भावना जगाने की करें तो, पहला कार्य व्यक्ति निर्माण का है और राष्ट्रीय संस्कार व्यक्ति में बनेंगे तो निश्चित तौर से वह निज हित से ऊपर राष्ट्र हित को प्राथमिकता देगा। देश के हर वर्ग के युवा राष्ट्रहित को सर्वोपरि समझे तभी हम एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर पाएंगे। युवाओं को हमरे पूर्वजों से प्रेरणा लेनी चाहिए संस्कृति को समझना होगा। युवा संगठन से ऑनलाइन जुड़कर भी देश को मजबूती दे सकते हैं।राष्ट्र से बड़ा कोई संगठन नहीं है और राष्ट्रीय भाव से बड़ी विचारधारा नहीं हो सकती। इसलिए आज नौजवानों में राष्ट्रीयता की भावना को जगाने की जरूरत है। साथियों बात अगर हम बच्चों, युवाओं में राष्ट्रहित राष्ट्रवाद को गहराई से समझाने की करें तो, प्रत्येक नागरिक के लिए अपने राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता प्रदर्शन करना अनिवार्य है क्योंकि हमारा देश अर्थात हमारी जन्मभूमि हमारी मां ही तो होती है। जिस प्रकार माता बच्चों को जन्म देती है तथा अनेक कष्टों को सहते हुए भी अपने बच्चों की खुशी के लिए अपने सुखों का परित्याग करने में भी पीछे नहीं हटती है उसी प्रकार अपने सीने पर हल चलवाकर हमारे राष्ट्र की भूमि हमारे लिए अनाज उत्पन्न करती है, उस अनाज से हमारा पोषण होता है। साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार, पीएम ने कहा, एक बात जिसने हमारे लोकतंत्र व्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुंचाया वह है राष्ट्रहित से ज्यादा प्राथमिकता अपनी विचारधारा को देना।अगर कोई विचारधारा यह कहती है कि देशहित के मामलों में भी मैं इसी दायरे में काम करूंगा तो यह रास्ता सही नहीं है। दोस्तों यह गलत है। आज हर कोई अपनी विचारधारा पर गर्व करता है। यह स्वाभाविक भी है, लेकिन फिर भी हमारी विचारधारा राष्ट्रहित के विषयों में राष्ट्र के साथ नजर आनी चाहिए। राष्ट्र के खिलाफ कतई नहीं। आप देश के इतिहास में देखिए जब -जब देश के सामने कोई कठिन समस्या आई है हर विचारधारा के लोग राष्ट्रहित में एक साथ आए हैं। आजादी की लड़ाई में महात्मा गांधी के नेतृत्व में हर विचारधारा के लोग एक साथ आए थे। उन्होंने देश के लिए एक साथ संघर्ष किया था।

ईरान के गर्ल्स स्कूल पर हमला मानवता के विरुद्ध अपराध और वैश्विक अंतरात्मा की पुकार

दक्षिणी ईरान के एक गर्ल्स स्कूल पर हुआ हवाई हमला पूरी दुनिया को झकझोर देने वाला है। मासूम बच्चियों की मौत ने युद्ध की भयावहता को एक बार फिर दुनिया के सामने रख दिया है। इस घटना की गूंज केवल ईरान या मध्य पूर्व तक सीमित नहीं है बल्कि यह मानवता की अंतरात्मा को झकझोरने वाली त्रासदी बन चुकी है। जब युद्ध की आग में निर्दोष बच्चों की जान जाती है तो वह केवल एक देश की नहीं बल्कि पूरी मानव सभ्यता की हार होती है। इस घटना के बाद संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोकर तुर्क ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि इस मामले की जल्द निष्पक्ष और पूरी जांच होनी चाहिए। जिनेवा में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की प्रवक्ता रवीना शामनाशादी ने भी कहा कि जिस पक्ष ने हमला किया है उसी की जिम्मेदारी है कि वह पारदर्शी जांच सुनिश्चित करे और सच्चाई दुनिया के सामने लाए। उनका यह बयान अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवाधिकारों के सिद्धांतों की याद दिलाता है जिनका पालन हर परिस्थिति में अनिवार्य है चाहे हालात कितने भी तनावपूर्ण क्यों न हों। बताया जा रहा है कि हमले में 150 छात्राओं की मौत हुई है और मिनाब शहर में उनके अंतिम संस्कार के लिए सामूहिक कब्रें खोदी गईं। यह दृश्य केवल ईरान ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए पीड़ा का कारण है। नन्हीं बच्चियों के ताबूतों के सामने खड़े परिजन और रोते बिलखते परिवार इस बात का प्रमाण हैं कि युद्ध का सबसे बड़ा खामियाजा हमेशा आम नागरिक और मासूम बच्चे ही भुगतते हैं। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों ने इस त्रासदी को और भी वास्तविक और भयावह बना दिया है। हर तस्वीर युद्ध की निर्ममता और मानवीय संवेदनाओं के क्षरण की कहानी कहती है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि अमेरिकी सेना जानबूझकर किसी स्कूल को निशाना नहीं बनाती। वहीं इजराइल की ओर से भी कहा गया है कि इस घटना की जांच की जा रही है। इन बयानों के बीच सच्चाई क्या है यह एक निष्पक्ष और अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित जांच से ही स्पष्ट हो सकेगा। युद्ध के दौरान अक्सर सूचनाएं और दावे एक दूसरे से टकराते हैं लेकिन सच्चाई तक पहुंचना ही न्याय की पहली शर्त है। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। इस अभियान को ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम दिया गया है। दोनों पक्षों के बीच मिसाइल और ड्रोन हमलों का सिलसिला जारी है। ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई का दावा किया है और क्षेत्रीय तनाव चरम पर है। ऐसे माहौल में एक स्कूल पर हमला केवल सैन्य रणनीति का सवाल नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के उल्लंघन का गंभीर आरोप बन जाता है। युद्ध के नियम स्पष्ट हैं कि स्कूल अस्पताल और नागरिक ठिकाने संरक्षित क्षेत्र माने जाते हैं। यदि किसी भी कारण से इन पर हमला होता है तो उसकी गहन जांच आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है कि वह भावनाओं से परे जाकर तथ्यों की पुष्टि करे और दोषियों को जवाबदेह ठहराए। यदि इस तरह की घटनाओं पर चुप्पी साध ली जाती है तो यह भविष्य में और भी भयावह हमलों का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।दुनिया के विभिन्न देशों से इस घटना पर शोक और आक्रोश व्यक्त किया गया है। मानवाधिकार संगठनों ने इसे निंदनीय बताया है और तत्काल युद्ध-विराम की मांग की है। बच्चों की मौत किसी भी राजनीतिक या सामरिक तर्क से उचित नहीं ठहराई जा सकती। चाहे कोई भी विचारधारा हो या कोई भी रणनीतिक लक्ष्य हो निदोषों की हत्या उसे नैतिक वैधता नहीं दे सकती। इस त्रासदी ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या आधुनिक हथियारों और तकनीकी श्रेष्ठता के बावजूद हम मानवीय मूल्यों की रक्षा कर पा रहे हैं। यदि नहीं तो यह प्रगति अधूरी है। सभ्यता का वास्तविक पैमाना युद्ध में भी मानवता को जीवित रखना है। जब स्कूलों पर बम गिरते हैं तो यह केवल इमारतों का नहीं बल्कि भविष्य का विध्वंस होता है। ईरान और इजराइल अमेरिका के बीच जारी संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बढ़ते तनाव ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी चिंता में डाल दिया है। तेल की कीमतों में उछाल और क्षेत्रीय असुरक्षा ने दुनिया को यह एहसास कराया है कि यह युद्ध सीमित नहीं रहेगा। लेकिन इन भू राजनीतिक चिंताओं से परे एक सच्चाई यह है कि युद्ध की कीमत सबसे पहले और सबसे अधिक आम नागरिक चुकाते हैं। स्कूल पर हमला केवल एक सैन्य घटना नहीं बल्कि मानवता की परीक्षा है। यदि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस पर एकजुट होकर निष्पक्ष जांच और जवाबदेही सुनिश्चित करता है तो यह भविष्य के लिए एक सकारात्मक संदेश होगा। अन्यथा यह घटना इतिहास के उन काले अध्यायों में दर्ज हो जाएगी जहां निदोषों का खून न्याय की प्रतीक्षा करता रह गया। आज पूरी दुनिया उन बच्चियों के लिए आंसू बहा रही है जिनके सपने अधूरे रह गए। वे डॉक्टर बनना चाहती थीं शिक्षक बनना चाहती थीं या शायद केवल अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन जीना चाहती थीं। उनकी हंसी और खिलखिलाहट अब केवल यादों में रह गई है। यह क्षति अपूरणीय है। ऐसे समय में सबसे बड़ी आवश्यकता है संयम संवाद और शांति की दिशा में ठोस पहल की। युद्ध से कभी स्थायी समाधान नहीं निकलता। हिंसा का हर दौर नई हिंसा को जन्म देता है। यदि इस त्रासदी से भी दुनिया सबक नहीं लेती तो भविष्य और भी भयावह हो सकता है। इसलिए यह आवश्यक है कि इस हमले की स्वतंत्र और पारदर्शी जांच हो दोषियों को जवाबदेह ठहराया जाए और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। मानवता की रक्षा केवल शब्दों से नहीं बल्कि ठोस कदमों से होगी। नन्हीं बच्चियों की याद में यही सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी कि दुनिया एक ऐसी व्यवस्था बनाने का संकल्प ले जहां स्कूल कभी युद्ध का निशाना न बनें और बच्चों का भविष्य सुरक्षित रहे।

भारत में महिलाओं के प्रति बदलने लगा है नजरिया

डॉ गीता जैन

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने और लैंगिक समानता की वकालत करने के लिए मनाया जाता है। यह जागरूकता बढ़ाने, बाधाओं को तोड़ने और सभी के लिए समान अवसरों को बढ़ावा देने का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो समाज और राष्ट्र मजबूत होते है। यह समानता और अधिकारों के लिए एक वैश्विक आंदोलन है, जो महिलाओं के सम्मान और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष का प्रतीक है। यह एक ऐसा दिन है जो महिलाओं को सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च 1911 से पूरे विश्व में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाना है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 की थीम है दान से लाभ है, जो उदारता, सहयोग और सामूहिक प्रगति के मूल्यों को बढ़ावा देता है। यह अभियान इस बात पर प्रकाश डालता है कि महिलाओं का समर्थन करना और लैंगिक समानता को आगे बढ़ाना सभी के लिए व्यापक सामाजिक और आर्थिक लाभ ला सकता है। इस अभियान का मूल विचार यह है कि जब महिलाएं शिक्षा, नेतृत्व, उद्यमिता, विज्ञान, कला और राजनीति जैसे क्षेत्रों में सशक्त होती हैं, तो इससे मजबूत समुदाय और साझा समृद्धि का निर्माण होता है। सहयोग और समान अवसरों को प्रोत्साहित करके, यह अभियान समाज में समावेशी विकास और सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देना चाहता है। भारत में महिलाओं की सुरक्षा और इज्जत का खास ख्याल रखा जाता है। अगर हम इक्कीसवीं सदी की बात करे तो यहां की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला काम कर रही है। अब तो भारत की संसद ने भी महिलाओं के लिये लोकसभा व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पास कर दिया है। उससे आने वाले समय में भारत की राजनीति में महिलाओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जायेगी। देश में महिलाओं को अब सेना में भी महत्वपूर्ण पदो पर तैनात किया जाने लगा है। जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। यहां महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार है। महिलायें देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है तथा विकास में भी बराबर की भागीदार है। आज के युग में महिला पुरुषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे दो कदम आगे निकल चुकी है। महिलाओं के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुसार महिलाओं को भी पुरुषों के समान जीवन जीने का हक है। भारत में नारी को देवी के रूप में देखा गया है। कहा जाता है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। प्राचीन काल से ही यहां महिलाओं को समाज में विशिष्ट आदर एवं सम्मान दिया जाता है। भारत में वर्षो से महिला सुरक्षा से जुड़े कई कानून बने है। इसमें हिंदू विडो रीमैरिज एक्ट 1856, इंडियन पीनल कोड 1860, मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट 1861, क्रिस्चियन मैरिज एक्ट 1872, मैरिड वीमेन प्रॉपर्टी एक्ट 1874,चाइल्ड मैरिज एक्ट 1929, स्पेशल मैरिज एक्ट 1954, हिन्दू मैरिज एक्ट 1955, फॉरेन मैरिज एक्ट 1969, इंडियन डाइवोर्स एक्ट 1969, मुस्लिम वुमन प्रोटेक्शन एक्ट 1986, नेशनल कमीशन फॉर वुमन एक्ट 1990, सेक्सुअल हर्रास्मेंट ऑफ वुमन एट वर्किंग प्लेस एक्ट 2013 आदि। इसके अलावा 7 मई 2015 को लोक सभा ने और 22 दिसम्बर 2015 को राज्य सभा ने जुवेनाइल जस्टिस बिल में भी बदलाव किया है। इसके अन्तर्गत यदि कोई 16 से 18 साल का किशोर जघन्य अपराध में लिप्त पाया जाता है तो उसे भी कठोर सजा का प्रावधान है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक साल 2023 में भारत में महिलाओं के खिलाफ कुल 4,05,861 अपराध दर्ज किए गए। इन अपराधों में बलात्कार, छेड़छाड़, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, साइबर अपराध, और अपहरण जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न के सामने आए हैं।जो समाज में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति हमारी उदासीनता को दशार्ते हैं। इससे पहले 2022 में 4,45,256 मामले, 2021 में 4,28,278मामले 2020 में 3,71,503 मामले दर्ज किए गए थे। राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर से पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें मिलीं। इसमें 16 हजार से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश राज्य से आए हैं। आंकड़े हैरान कर देने वाली हैं। क्योंकि आयोग में ये शिकायत गरिमा के अधिकार कैटेगरी के अंतर्गत दर्ज किया गया है। इसके बाद दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2,411 मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में 1,343, बिहार में 1,312 और मध्य प्रदेश में 1,165 इतने मामले दर्ज किए गए हैं। 2023 के 12 महीने बाद जारी किए गए इस रिपोर्ट में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध में दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म जैसे अपराध दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की यह रिपोर्ट महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता दिखाती है। आंकड़ों के मुताबिक देश भर में यौन उत्पीड़न के 805 मामले, साइबर अपराध के 605 मामले, पीछा करने की 472 मामले और सम्मान से जुड़े अपराध के खिलाफ 409 शिकायतें दर्ज कराई गईं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बलात्कार के मामले भी शामिल हैं। साल 2023 में बलात्कार और बलात्कार के प्रयास के 1,537 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद गरिमा के अधिकार के तहत 8,540, घरेलू हिंसा के 6,274, दहेज उत्पीड़न के 4,797, छेड़छाड़ के 2,349,और महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता के 1,618 मामले दर्ज किए गए। 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 2022 की तुलना में कम हुए हैं। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 30,864 मामले दर्ज किए गए थे। जबकि 2023 में यह संख्या घटकर 28,278 हो गई। यह एक सकारात्मक संकेत है लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। साल 2022 के बाद से शिकायतों की संख्या में कमी देखी गई है। जब 30,864 शिकायतें प्राप्त हुई थी, जो 2014 के बाद से सर्वाधिक आंकड़ा था। जहां तक बात महिलाओं की सुरक्षा की आती है तो पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अभूतपूर्व निर्णयों से महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई प्रबंध किये हैं। आज भारत में महिलायें पहले की अपेक्षा ज्यादा सुरक्षित है। हम एक तरफ महिलाओं को हर क्षेत्र में बराबरी का दर्जा देकर उन्हे आगे बढ़ा रहें है। वहीं दूसरी तरफ उनके साथ अत्याचार की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आये दिन हमें महिलाओं के साथ बलात्कार, दुर्व्यवहार होने की घटनाये सुनने को मिलती रहती है। ऐसी घटनाओं से महिला सशक्तिकरण के अभियान को धक्का लगता हैं।देश में महिलाओं के प्रति खराब होते माहौल को बदलने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं अपितु हर आम आदमी की भी है। हम सभी को आगे आकर महिला सुरक्षा की लड़ाई में महिलाओं का साथ देना होगा तभी देश की मातृ शक्ति सर उठा कर शान से चल सकेगीं। अब महिलाओं को समझना होगा कि आज समाज में उनकी दयनीय स्थिति समाज में चली आ रही परम्पराओं का परिणाम है। इन परम्पराओं को बदलने का बीड़ा स्वयं महिलाओं को ही उठाना होगा। तभी समाज में उनके प्रति सोच बदल पायेगी।

दिल्ली डबल मर्डर केसः अपनी ही बेटियों को मां ने क्यों मार डाला, सामने आई वजह; जज बनना चाहती थी गुनिशा

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में मालवीय नगर थाना क्षेत्र स्थित एफ ब्लाक में दो बहनों की हत्या की दर्दनाक घटना ने समूचे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया। इसके पीछे एक मां का लंबे समय से चल रहा मानसिक तनाव, पारिवारिक परिस्थितियां और आर्थिक समस्या से जूझता जीवन भी सामने आ रहा है।

वहीं, पुलिस अभी तक मामले की तह तक नहीं पहुंच सकी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वह भी कुछ सवालों की तह तक जाने का प्रयास कर रहे हैं, पर आरोपी महिला की हालत ठीक नहीं होने की वजह से उससे पूछताछ नहीं हो सकी है। संभव है कि महिला ने पहले दोनों बेटियों को नशीला पदार्थ दिया गया। फिर एक का मुंह तकिए से दबाकर तो दूसरी की गर्दन क्रेप बैंडेज से घोंट दिया। दोनों की मौत होने के बाद महिला ने भी खुदकुशी के लिए जहरीला पदार्थ खा लिया था, जिसकी वजह से उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, बड़ी बेटी 32 वर्षीय राधिका दिव्यांग थी और मानसिक रूप से भी बीमार रहती थी। बीमारी के कारण वह आठवीं कक्षा से आगे पढ़ाई नहीं कर पाई। उसकी देखभाल और इलाज को लेकर मां सुनीता काफी समय से परेशान रहती थी। दिन-रात

बेटी की चिंता और जिम्मेदारी ने धीरे-धीरे उस पर मानसिक दबाव बढ़ा दिया था। इसके अलावा पति सुधीर अरोड़ा के साथ भी सुनीता के रिश्ते सही नहीं चल रहे थे। वह अपने घर में ही पत्नी से अलग रहता था, जिसके चलते सुनीता मानसिक रूप से परेशान रहती थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुधीर ने अपने बयान में बताया है कि वह किसी काम से बाहर गया था। देरी होने के चलते वह बेटियों को फोन मिला रहा था। पर किसी ने उसका फोन नहीं उठाया, जिसके बाद उसने अपने घर आने वाली घरेलू सहायिका को फोन किया, जिसने बताया कि वह घर गई थी, लेकिन किसी ने गेट नहीं खोला तो वह वापस आ गई। इसके बाद सुधीर ने पहले पुलिस को फोन किया और खुद भी घर पहुंचा। जब पुलिस और सुधीर ने गेट तोड़कर घर में प्रवेश किया तो वहां दोनों बेटियों के शव थे और सुनीता बेसुध हालत में पड़ी हुई थी।

परिवार के लोगों के बीच नहीं होती थी बातचीत : सूत्रों ने बताया कि जिस चार मंजिला इमारत में सुधीर का परिवार रहता है, उसमें पहले फ्लोर पर सुधीर की मां, दूसरे पर सुधीर का भाई अपने परिवार के साथ रहता है। जबकि सबसे ऊपर उसकी बहन अपने बेटे के साथ रहती है, वह अपने पति से अलग हो चुकी है। सुनीता की अपने ससुराल पक्ष के लोगों से संबंध ठीक नहीं थे, जिससे घर का माहौल अक्सर तनावपूर्ण बना रहता था। परिवार के लोगों के बीच बातचीत लंबे समय से बंद थी।

न्यायाधीश बनना चाहती थी गुनिशा: घर की छोटी बेटी 28 वर्षीय गुनिशा ने पिछले वर्ष ही कानून में स्नातक की पढ़ाई पूरी की थी। वह एलएलएम की तैयारी कर रही थी। परिवार को उससे काफी उम्मीदें थीं और वह अपने भविष्य को लेकर भी योजनाएं बना रही थीं। गुनिशा अक्सर न्यायाधीश बनने की बात किया करती थी।

पड़ोसियों के अनुसार अरोड़ा परिवार करीब 60 वर्षों से इलाके में रह रहा था और शांत स्वभाव के लिए जाना जाता था। बड़ी बेटी राधिका विशेष जरूरतों वाली थी और घर पर ही रहती थी, जबकि छोटी बेटी गुनीशा ने एलएलबी की पढ़ाई पूरी की थी। पड़ोसियों का कहना है कि परिवार अपनी बेटियों को बहुत प्यार से रखता था और किसी को अंदाजा नहीं था कि घर के अंदर ऐसी त्रासदी हो सकती है।

यह थी पूरी घटना : पुलिस को बृहस्पतिवार की शाम 6:10 बजे सूचना मिली कि मालवीय नगर एफ ब्लाक (मकान नंबर 6/5) में एक घर का दरवाजा काफी देर बंद है, अंदर से कोई जवाब नहीं मिल रहा। पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजे के ऊपर की खिड़की खोलकर दरवाजा खोला। बताया कि घर के अलग-अलग दो कमरों में दो सगी बहनों राधिका अरोड़ा और गुनीशा अरोड़ा के शव पड़े थे। एक युवती का शव बिस्तर पर पड़ा था और उसके मुंह पर तकिया रखा हुआ था। दूसरी युवती का शव बेड पर पड़ा था। उसके गले को क्रेप बैंडेज से घोंटा गया था। उसके हाथ पर कट के निशान भी थे। पुलिस को गुनीशा के कमरे में ही जमीन पर उसकी मां सुनीता अरोड़ा अचेत पड़ी मिली। उसकी सांस चल रही थी। पुलिस ने बिना देरी किए उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस को घटनास्थल से फिनाइल पीसी हुई गोलियां भी मिली हैं। आशंका जताई जा रही है कि मां ने बेटियों की हत्या के बाद खुदकुशी की कोशिश की। पुलिस ने एफएसएल और क्राइम टीम के सहयोग से घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। फिलहाल पुलिस महिला की सेहत में सुधार होने का इंतजार कर रही है, ताकि उससे पूछताछ कर इस डबल मर्डर की गुत्थी सुलझाई जा सके।

मेडिकल कॉलेज रिश्वत मामले में पिता-पुत्र को सीबीआई कोर्ट ने सुनाई सजा, एक-एक लाख का जुर्माना भी लगा

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में सीबीआई कोर्ट ने झज्जर के वर्ल्ड कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च से जुड़े रिश्वतखोरी के मामले में आरोपी पिता-पुत्र को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। आरोपियों ने कोर्ट में प्ली बारगेनिंग यानि दोषमुक्ति समझौता के तहत कोर्ट से कम सजा दिए जाने की मांग की थी। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को छह महीने के साधारण कारावास और एक-एक लाख रुपये के जुर्माने की सजा दी है।

वर्ष 2017 में केंद्र सरकार ने बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण देश के 46 मेडिकल कॉलेजों पर दाखिला लेने से रोक लगा दी थी। झज्जर स्थित वर्ल्ड कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज भी इन्हीं प्रतिबंधित कालेजों में शामिल था। आरोप था कि कॉलेज के चेयरमैन डॉ. नरेंद्र सिंह और कुंवर निशांत सिंह ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करने के लिए विनोद कुमार शर्मा और वैभव शर्मा के साथ मिलकर एक आपराधिक साजिश रची। इस काम के लिए रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 50 लाख रुपये का भुगतान किया गया था। जिसे सीबीआई ने तीन अगस्त 2017 को छापामारी के दौरान बरामद कर लिया था। मुकदमे के दौरान आरोपितों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए दंड प्रक्रिया संहिता के तहत प्ली बारगेनिंग के लिए आवेदन किया था। कोर्ट ने फैसला देते हुए पाया कि इस मामले में किसी भी सरकारी सेवक की संलिप्तता या राजकोष को आर्थिक हानि पहुंचाने का प्रमाण नहीं मिला है। आरोपितों ने अपने किए पर खेद प्रकट किया है। सीबीआई द्वारा जब्त किए गए 50 लाख रुपये को विभाग के पक्ष में जब्त करने का आदेश दिया गया है। विशेष सीबीआई न्यायाधीश प्रमेंद्र कुमार ने 27 फरवरी को दोनों को आईपीसी की धारा 120-बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा आठ के तहत दोषी ठहराया। दोनों आरोपितों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

प्ली बारगेनिंग : अधिवक्ता अनीस चौधरी के मुताबिक प्ली बारगेनिंग यानि दोषमुक्ति समझौता एक ऐसी कानूनी प्रक्रिया है, जिसमें आपराधिक मामलों में आरोपित पक्ष अभियोजन पक्ष के साथ बातचीत कर अपना अपराध स्वीकार कर लेता है। लेकिन मुकदमे का सामना करने के बजाय अभियोजन पक्ष से सजा कम करने के लिए समझौता करता है। इसका उद्देश्य लंबी कानूनी कार्यवाही को कम करना और जेलों पर भार कम करना है।

दिल्ली में खाद्य सुरक्षा अभियान बेअसर, रिपोर्ट आने तक बिक जाती है मिलावटी सामग्री

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में निगरानी व कानूनी सैंपल की कमी और जांच में देरी के खेल ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग के सैंपलिंग अभियान को प्रभावहीन बनाकर रख दिया है। राष्ट्रीय राजधानी में होली के मद्देनजर विभाग ने 26 फरवरी को बाजारों से 66 खाद्य सैंपल लिए थे। उस समय सरकार और विभाग दोनों ने ही बड़े-बड़े दावों के साथ इस कार्रवाई का खूब प्रचार प्रसार किया था। पर, होली बीत जाने के बाद भी विभाग ने न तो इन सैंपल की जांच रिपोर्ट को लेकर कोई जानकारी दी और न ही कार्रवाई की। ई-मेल और फोन करने पर भी कोई उत्तर नहीं दिया गया। प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि त्योहार के दौरान ही मिलावटी खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग क्यों होती है और जब सैंपलिंग के बाद भी संबंधित खाद्य पदार्थ की बिक्री जारी रहती है तो अभियान का औचित्य क्या? विभाग से मिली

जानकारी के अनुसार, नियमों के कारण अधिकांश मामलों में खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा सैंपल लेने के बाद संबंधित खाद्य पदार्थों की बिक्री तुरंत नहीं रोकी जाती। सैंपल को प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा जाता है और आगे की कार्रवाई प्रयोगशाला की रिपोर्ट के आधार पर होती है। रिपोर्ट आती है 14 से 30 दिन बाद, ऐसे में यदि किसी सैंपल में मिलावट या मानकों का उल्लंघन पाया भी जाता है, तो तब तक वह खाद्य सामग्री बाजार में बिक चुकी होती है और उपभोक्ता उसे उपयोग कर चुके होते हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग के विशेष अभियान में लिए गए 66 सैंपलों में 54 निगरानी (सर्विलांस) और 12 कानूनी (एन्फोर्समेंट) सैंपल शामिल थे। ये सैंपल मिठाई, खोया, पनीर, मसाले, तेल, अनाज और तैयार खाद्य पदार्थों से लिए गए थे और परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। विभाग के अनुसार निगरानी सैंपलों की संख्या अधिक होती है, जबकि कानूनी सैंपल की संख्या कम। इस कारण कई मामलों में मिलावट के खिलाफ कड़ी कार्रवाई बेहद सीमित रहती है। निगरानी सैंपलिंग से बाजार की स्थिति का आकलन तो होता है, लेकिन मिलावट के मामलों में प्रभावी कार्रवाई मुख्यतः कानूनी सैंपलों के आधार पर ही होती है। प्रयोगशाला रिपोर्ट में खाद्य पदार्थ मिलावटी, सब-स्टैंडर्ड या मिसब्रांडेड पाया जाता है, तब नोटिस, जुर्माना और अदालत में मामला दायर करने की कार्रवाई की जाती है। केवल गंभीर रूप से असुरक्षित खाद्य मिलने की स्थिति में ही तत्काल जब्ती या बिक्री रोकने की कार्रवाई होती है। केंद्र सरकार द्वारा संसद में दी गई जानकारी के अनुसार देशभर में हर वर्ष बड़ी संख्या में खाद्य सैंपलों की जांच की जाती है। लगभग 20 प्रतिशत सैंपल गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरते।

फरीदाबाद में कार के अंदर मिली दो सगे भाइयों की लाश, दम घुटने से मौत की आशंका

फरीदाबाद, एजेंसी। नवीन नगर इलाके में दो सगे भाईयों की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। दोनों के शव देर रात अगवानपुर रोड पर कार के अंदर मिले। मृतकों की पहचान रोशन नगर निवासी 44 वर्षीय कुंदन कुमार और 38 वर्षीय रंजन कुमार के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में दोनों की मौत दम घुटने से हुई बताई जा रही है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान अस्पताल भिजवाए हैं। स्वजन से पता चला है कि दोनों भाई शुक्रवार सुबह कार लेकर घर से निकले थे। देर शाम तक जब वापस नहीं लौटे तो स्वजन ने उनकी तलाश शुरू की। उनकी कार नवीन नगर इलाके में अगवानपुर रोड पर खड़ी मिली। उसके अंदर दोनों के शव थे। आस-पास के लोगों ने बताया कि कार सुबह 10 बजे से खड़ी थी, लेकिन किसी ने कार की तरफ ध्यान नहीं दिया, क्योंकि वहां सड़क किनारे और भी कारें खड़ी रहती हैं। पुलिस ने बताया कि कुंदन कुमार सेना से सेवानिवृत्त थे और रंजन कुमार छोटा मोटा काम करते थे। दोनों रोशन नगर इलाके में पिछले करीब 10 साल से रह रहे थे। पुलिस का कहना है कि मौत के असली कारण का पता पोस्टमार्टम से ही चलेगा। पुलिस ने कार भी कब्जे में ली है, उसकी भी छानबीन की जा रही है।

गाजियाबाद में निवेश का मौका, मधुबन बापूधाम योजना के मिक्स लैंड यूज प्लॉट बिक्री में; 18 मार्च को लगेगी बोली

गाजियाबाद, एजेंसी। प्राधिकरण की मधुबन बापूधाम योजना में पहली बार मिक्स लैंड यूज भूखंड खरीदने का मौका है। इसके साथ ही ग्रुप हाउसिंग, होटल, हाईस्कूल और अन्य व्यावसायिक भूखंड भी नीलामी के लिए रखे गए हैं। आगामी 18 मार्च को होने वाली नीलामी के लिए इच्छुक खरीदार 13 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं। मधुबन बापूधाम योजना में 18 मीटर चौड़ी सड़क पर स्थित पांच मिक्स लैंड यूज भूखंड पहली बार बिक्री के लिए शामिल किए गए हैं। इन भूखंडों को खरीदने के बाद खरीदार प्राधिकरण से नक्शा स्वीकृत कराकर आवासीय के साथ व्यावसायिक गतिविधियां भी संचालित कर सकेंगे। अधिकारियों का कहना है कि इन भूखंडों की बिक्री के बाद अन्य मिक्स लैंड यूज भूखंड भी चरणबद्ध तरीके से बेचे जाएंगे। नीलामी में कुल 15 बड़े भूखंड शामिल किए गए हैं। इनमें चार ग्रुप हाउसिंग, तीन होटल और दो व्यावसायिक भूखंड हैं। इनका आकार एक हजार वर्ग मीटर से लेकर 20 हजार वर्ग मीटर तक है। इसके अलावा पाकेट ए, बी और सी में हाईस्कूल और अन्य सुविधाओं के लिए करीब दस भूखंड भी शामिल किए गए हैं, जिनका आकार एक हजार से छह हजार वर्ग मीटर तक है। जीडीए के अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि खरीदारों को रिजर्व प्राइस से अधिक बोली लगानी होगी और किसी भी भूखंड पर एकल बोली नहीं लगा सकेंगे। उन्होंने बताया कि गत वर्ष विभिन्न योजनाओं में भूखंडों की बिक्री से प्राधिकरण को करीब 288 करोड़ रुपये की आय हो चुकी है।

एआई समिट के लिए बने फाउंटेन को तोड़ा, एमसीडी ने निजामुद्दीन थाने में दर्ज कराई एफआईआर

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में मथुरा रोड पर निजामुद्दीन से लोधी रोड लाल बत्ती के पास स्थित तिकोने पार्क में एआई समिट के दौरान हुआ सौंदर्यीकरण का कार्य एक माह भी नहीं चल पाया। बताया कि लाइटों के साथ ही नया लगा फाउंटेन व कई अन्य प्रकार की सजावट को तहस-नहस कर दिया गया है। इसे लेकर एमसीडी ने निजामुद्दीन थाने में एफआइआर दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक, एमसीडी ने डेढ़ लाख रुपये की लागत से फाउंटेन लगाया था, जो निजामुद्दीन बस्ती के पास मल्टीलेवल पार्किंग के सामने है। एमसीडी के एक अधिकारी के मुताबिक, एआई समिट खत्म होने के बाद ही सौंदर्यीकरण के सभी स्ट्रक्चर को 20 फरवरी की रात को ही नुकसान पहुंचाया गया था। इस प्रोजेक्ट में कई जगहों पर बाउंड्री वॉल, पेडस्टल और लैंडस्केपिंग का काम शामिल था। ऐसा ही कार्य शहर के कई इलाकों जैसे भारत मंडपम, हुमायूं का मकबरा और लोधी होटल में एक बड़े ब्यूटीफिकेशन एक्सरसाइज का हिस्सा था। इसमें बाउंड्री वाल, पेडस्टल और लैंडस्केपिंग का कंस्ट्रक्शन शामिल था। बता दें कि फव्वारा और उसके आस-पास विशेष प्रकार की घास लगाने से साइट का लुक बेहतर हो गया था। नुकसान का पता 21 फरवरी की सुबह चला तो निजामुद्दीन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। मामला दर्ज कर पुलिस आरोपितों की पहचान में जुट गई है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आस-पास रहने वाले कुछ संदिग्धों से पूछताछ की गई है। वहीं एमसीडी के मुताबिक जांच पूरी होने के बाद जल्द से जल्द फव्वारे की मरम्मत का काम कराया जाएगा।

हिमाचल में तेजी से बदला मौसम, तीन डिग्री तक गिरा तापमान

ऊंचे क्षेत्रों में हिमपात व वर्षा की संभावना

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में धूप के खिलने के बावजूद दिन के तापमान में तीन डिग्री तक की गिरावट आई है। कल्पा में वीरवार की अपेक्षा शुक्रवार 6 मार्च को 0.5 डिग्री की गिरावट आने के बावजूद 23.5 डिग्री दर्ज किया गया।

ये सामान्य 14.3 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। केलंग में 1.1 डिग्री की गिरावट आने के बावजूद अधिकतम तापमान 14.2 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से 12.2 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। शिमला, ठ्योंतर, मनाली और कांगड़ा में अधिकतम तापमान सामान्य से 10 डिग्री अधिक दर्ज किया गया है। प्रदेश में अधिकतम तापमान में सबसे अधिक गिरावट नाहन में 3.5 डिग्री के कारण 24.3 डिग्री दर्ज किया गया है। जबकि बाकी स्थानों पर एक डिग्री से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि ऊना में 1.8 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई है। धर्मशाला और ताबो में एक डिग्री

की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान ऊना में 34 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा जारी किए गए ताजा पूर्वानुमान के अनुसार सात मार्च को प्रदेश के ऊंचे क्षेत्रों में कुछ एक स्थानों पर हिमपात व वर्षा का अनुमान है। हालांकि कुछ एक स्थानों पर बादलों के छाए रहने का अनुमान है। प्रदेश में न्यूनतम तापमान में ऐ से दो डिग्री का अंत आया है। कुछ स्थानों पर गिरावट तो कुछ में वृद्धि दर्ज की गई है। 9, 10 11 और 12 मार्च को पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के बढ़ने का अनुमान है। जिसके कारण 11 और 12 मार्च को व्यापक वर्षा हो सकती है। ऐसे में लगातार चल रहे सूखे से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। प्रदेश में फरवरी माह में सामान्य से 90 प्रतिशत कम वर्षा और मार्च माह में अभी तक सूखे के कारण कृषि फसलों के साथ फलों पर असर हो रहा है।

हिंदू देवी के नाम पर नॉन-वेज स्टॉल देख भड़के लोग, यूट्यूबर समेत कई ने की तोड़फोड़; हरकत में आई फरीदाबाद पुलिस

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में हिंदू देवी के नाम पर नॉन-वेज का स्टॉल लगाने पर कथित हिंदू कार्यकर्ता भड़क गए। उन्होंने न केवल स्टॉल पर लगा पोस्टर फाड़ डाला बल्कि स्टॉल संचालक को भी धमकाया। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं, पुलिस का कहना है कि इस संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है। तोड़फोड़ करने वालों में होडल का रहने वाला कॉमेडियन यूट्यूबर भी शामिल था, जिसे रेहड़ी वाले को धमकाते देखा जा सकता है। यह घटना फरीदाबाद सेक्टर-11 की बताई जा रही है। दरअसल, यह पूरा विवाद एक नॉन-वेज स्टॉल का नाम हिंदू देवी के नाम पर रखने के बाद से शुरू हुआ। खुद को हिंदू संगठन के सदस्य बताने वाले युवक स्टॉल पर पहुंचे और स्टॉल वाले को दुकान का नाम बदलने के लिए धमकाने लगे। इस दौरान उन्होंने रेहड़ी पर लगा पोस्टर फाड़ डाला। तोड़फोड़ करने वालों में एक होडल का कॉमेडियन यूट्यूबर गिरधर शर्मा भी शामिल है। वहीं, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कई युवकों को रेहड़ी वाले के ऊपर चिल्लाते, रेहड़ी पर तोड़फोड़ करते देखा जा सकता है। स्टॉल संचालक ने पुलिस को इस मामले में कोई शिकायत नहीं दी है।

हिंदू देवी का नाम लगा पोस्टर हटाया : बताया जा रहा है कि स्टॉल संचालक भी हिंदू ही है। यूट्यूबर गिरधर शर्मा का कहना है कि स्टॉल संचालक हिंदू देवी के नाम पर नॉन-वेज की स्टॉल चला रहा था। उसे दो दिन पहले यह नाम हटाने के लिए आगाह किया गया था, मगर उसने बात नहीं मानी। इसके बाद उसकी दुकान से हिंदू देवी का नाम लगा पोस्टर हटाया गया है। वहीं, सेक्टर-11 चौकी पुलिस का कहना है कि वायल वीडियो संज्ञान में है, मगर अभी तक कोई व्यक्ति शिकायत लेकर नहीं आया है। यह वीडियो सेक्टर-11 में मिलन रेस्टोरेंट के पास का बताया जा रहा है। पुलिस टीम ने वहां भी जांच की, मगर ऐसा कोई स्टॉल संचालक नहीं मिला है।

एसआईआर में लाखों मतदाताओं के नाम हटाए जाने के खिलाफ सीएम ममता ने शुरू किया धरना, चुनाव से पहले षड्यंत्र का आरोप लगाया

22

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल की मुख्यमंत्री व टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के बाद मतदाता सूची से बड़ी संख्या में लोगों का नाम हटाए जाने के विरोध में शुक्रवार को यहां धरना शुरू किया। मध्य कोलकाता के धर्मतल्ला में मेट्रो चैनल पर दोपहर दो बजे से धरना शुरू करते हुए ममता ने भाजपा और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोलते हुए बंगाली मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने की साजिश रचने का आरोप लगाया और उन्हें बेनकाब करने की कसम खाई। टीएमसी सुप्रीमो ने कहा कि मैं बंगाली मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने के भाजपा-चुनाव आयोग के षड्यंत्र का पर्दाफाश करूंगी। उन्होंने दावा किया कि चुनाव को अपने पक्ष में मोडने के लिए भाजपा और आयोग द्वारा जानबूझकर नाम हटाए गए हैं।

विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले केंद्रीय चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ के आठ मार्च को राज्य के दौरे पर पहुंचने से ठीक पहले ममता द्वारा धरना शुरू करने के कदम से तृणमूल और आयोग के बीच टकराव और बढ़ गया है। ममता का यह धरना कब तक चलेगा यह अभी स्पष्ट नहीं है। ममता ने यह भी आरोप लगाया कि अंतिम मतदाता सूची में कई जीवित मतदाताओं को मृत घोषित कर दिया गया है। उन्होंने इनमें से कई मतदाताओं को धरना मंच पर प्रस्तुत भी किया और कहा कि चुनाव आयोग को शर्म आनी चाहिए कि उसने एसआइआर में उन मतदाताओं को मरा हुआ चिन्हित कर दिया जो जिंदा हैं और यहां मेरे साथ मौजूद हैं। ममता ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा के एजेंट के तौर पर काम कर रही है, जो खुद एक बेशर्म राजनीतिक ताकत है।

अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद हो रहा धरना : मालूम हो कि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा यह धरना प्रदर्शन निर्वाचन आयोग की ओर से एसआइआर के बाद बीते 28 फरवरी को अंतिम मतदाता सूचियों को प्रकाशित करने के कुछ ही दिनों बाद किया जा रहा है, जिसने राज्य के मतदाताओं की संख्या को काफी हद तक बदल दिया है।

पिछले साल चार नवंबर को बंगाल में एसआइआर प्रक्रिया शुरू होने के बाद हाल में प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची से 63.66 लाख नाम हटाए गए हैं, जो कुल मतदाताओं का लगभग 8.3 प्रतिशत है।

बंगाल में मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ से घटकर लगभग 7.04 करोड़ रह गई है

एसआइआर के कारण बंगाल में मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ से घटकर लगभग 7.04 करोड़ रह गई है। इसके अतिरिक्त 60.06 लाख से अधिक मतदाताओं को न्यायिक जांच के अधीन विचाराधीन श्रेणी में रखा गया है, जिसका अर्थ है कि आने वाले हफ्तों में कानूनी जांच के माध्यम से उनकी पात्रता निर्धारित की जाएगी। तृणमूल के कई सांसदों, विधायकों व मंत्रियों समेत पार्टी के बड़े नेताओं के अलावा, पार्टी समर्थित बूथ लेवल आफिसर्स (बीएलओ) के एसोसिएशन के सदस्य भी धरना-प्रदर्शन में शामिल हुए। दूसरी ओर, बंगाल दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि घुसपैठिए मुसलमानों को बचाने के लिए ममता बनर्जी धरने पे बैठी हैं।

फॉर्म में बल्लेबाज, गेंदबाजी चिंता का विषय

जानिए फाइनल के लिए कितनी तैयार टीम इंडिया?

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम इतिहास रचने से सिर्फ एक कदम दूर खड़ी है। टी20 विश्व कप के खिताबी मुकाबले में भारत की भिड़ंत न्यूजीलैंड से 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में होनी है।

भारतीय बल्लेबाज टूर्नामेंट में अच्छी लय में दिखाई दिए हैं, लेकिन गेंदबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए फाइनल से पहले चिंता का सबब बन गया है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन दमदार रहा है। अभिषेक शर्मा की खराब फॉर्म के बावजूद भारतीय टीम अहम मुकाबलों में बड़ा टोटल खड़ा करने में सफल रही है। संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करते हुए अपनी काबिलियत को साबित करके दिखाया है। संजू इस टूर्नामेंट में खेले 4 मुकाबलों में 201 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 232 रन बना चुके हैं। ईशान किशन भी अच्छी लय में दिखाई दिए हैं और उन्होंने 8 मुकाबलों में 189 के स्ट्राइक रेट से 263 रन बनाए हैं। हालांकि, अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन लगातार निराशाजनक रहा है। 7 पारियों में अभिषेक सिर्फ 89 रन ही बना सके हैं, जिसमें से 55 रनों की पारी उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ ही खेली थी। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 8 मैच में 242 रन जरूर बनाए हैं, लेकिन अहम मौके पर वह टीम को मझधार में छोड़कर पवेलियन लौटे हैं। सूर्या का स्ट्राइक रेट भी सवालों के घेरे में रहा है। तिलक वर्मा के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने का फैसला भारतीय टीम के हित में गया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ 15 गेंदों में 27 रन बनाने के बाद सेमीफाइनल में भी बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 7 गेंदों में 21 रन बनाए। तिलक बतौर फिनिशर टीम इंडिया के लिए तुरुप का इक्का साबित हो रहे हैं। हार्दिक पांड्या ने बल्ले और गेंद दोनों से अपने काम को बखूबी अंजाम दिया है। बल्लेबाजी में हार्दिक ने 8 मुकाबलों में 163 के स्ट्राइक

रेट से 199 रन बनाए हैं, जबकि गेंदबाजी में भी वह 8 विकेट निकाल चुके हैं। हालांकि, अक्षर पटेल उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने हर बड़े मुकाबले में अपनी उपयोगिता साबित की है। 7 मुकाबलों में 10 विकेट चटकाने के साथ-साथ बुमराह ने सिर्फ 6.62 की इकोनॉमी से रन खर्च किए हैं। अर्शदीप सिंह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके हैं। 7 मुकाबलों में अर्शदीप ने महज 9 विकेट निकाले हैं और उनका इकोनॉमी भी 8.53 का रहा है। अर्शदीप के लिए इस टूर्नामेंट में सबसे बड़ी दिक्कत यह रही है कि वह अच्छी टीमों के खिलाफ काफी महंगे साबित हुए हैं। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने 4 ओवर में 51 रन खर्च किए थे। मोहम्मद सिराज के बेंच पर बैठे होने के बावजूद अर्शदीप को मौके पर मौके मिल रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के आगाज से पहले वरुण चक्रवर्ती को टीम इंडिया का सबसे बड़ा मैच विनर बताया जा रहा था। हालांकि, वरुण ने भारतीय फैंस को अपने प्रदर्शन से खासा निराश किया है। वरुण बड़े मुकाबले और अच्छी टीमों के खिलाफ बुरी तरह से संघर्ष करते हुए नजर आए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में वरुण ने 4 ओवर में 64 रन दिए, जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ मिस्ट्री स्पिनर ने 40 रन खर्च करते हुए सिर्फ एक विकेट चटकाया था।वरुण के निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम का उन पर अटूट भरोसा कायम नजर आया है। इंग्लैंड के खिलाफ वरुण के महंगे स्पेल की वजह से एक समय पर मुकाबला भारत के हाथ से फिसलता हुआ भी नजर आ रहा था। कुलदीप यादव जैसे अनुभवी गेंदबाज के होने पर भी वरुण को लगातार मौके देने का फैसला समझ से परे नजर आया है। यानी कुल मिलाकर अगर भारत को टी20 वर्ल्ड कप के खिताब को लगातार दूसरी बार जीतकर इतिहास रचना है, तो फाइनल में कुछ कठिन फैसले लेने होंगे। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताबी मुकाबला 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है।

इंग्लैंड के हेड कोच की भूमिका पसंद, जारी रखना चाहता हूं: ब्रेंडन मैकुलम

मुंबई । इंग्लैंड क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गई है। इंग्लैंड को गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ हुए सेमीफाइनल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड टीम के विश्व कप से बाहर होने से हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम निराश हैं, लेकिन वह इंग्लैंड की कप्तानी आगे भी जारी रखना चाहते हैं। मैच के बाद ब्रेंडन मैकुलम ने कहा, 'उन्हें इंग्लैंड टीम के हेड कोच की भूमिका बेहद पसंद है और वह इसे जारी रखना चाहते हैं। यह काम चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में टीम ने कई अच्छी उपलब्धियां भी हासिल की हैं। अभी भी इंग्लैंड टीम के पास सभी फॉर्मेट में काफी कुछ हासिल करने का मौका है। आने वाले समय में टीम को यह समझना होगा कि क्या चीजें सही काम कर रही हैं और किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है, ताकि भविष्य में बेहतर प्रदर्शन किया जा सके।' ब्रेंडन मैकुलम इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बड़े टूर्नामेंटों में टीम के लगातार खराब प्रदर्शन की वजह से दबाव में हैं। ऑस्ट्रेलिया में खेले गए एशेज में इंग्लैंड को 1-4 से करारी हार का सामना करना पड़ा था। टी20 विश्व कप 2026 में भी टीम को सेमीफाइनल से बाहर होना पड़ा है। इस हार के बाद से मैक्कुलम की रणनीतियों और कोचिंग शैली पर सवाल और तेज हो गए हैं। मैकुलम जब इंग्लैंड के टेस्ट कोच बने थे तो उनसे काफी उम्मीदें थीं। उन्होंने टीम में आक्रामक 'बैजबॉल' अप्रोच लागू की, जिसने शुरुआत में क्रिकेट जगत का ध्यान खींचा। इस शैली में इंग्लैंड के बल्लेबाज तेजी से रन बनाने और विपक्षी टीम पर लगातार दबाव बनाने की कोशिश करते हैं। शुरुआती दौर में इस रणनीति को काफी सराहा गया, लेकिन समय के साथ इंग्लैंड को मजबूत टीमों के खिलाफ लगातार खराब नतीजे मिले। मैकुलम के नेतृत्व में इंग्लैंड अभी तक कोई बड़ा आईसीसी खिताब नहीं जीत सकी है। एशेज सीरीज के बाद टी20 विश्व कप से इंग्लैंड के बाहर होने के बाद ब्रेंडन मैकुलम की कोचिंग को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

स्पोर्ट्स कार्निवल 2026

क्रिकेट, बैडमिंटन और टीटी मुकाबलों में दिखा उत्साह

द्वजयपुर। शहर में जयपुर रीजनल चैप्टर के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय स्पोर्ट्स कार्निवल 2026 का आगाज़ शुक्रवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में जोश और उत्साह के साथ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन एडवाइजर धीरज झामरिया; चेयरमैन, क्षितिज मनु; इमीडिएट पास्ट चेयरमैन, आशीष काला; चेयरमैन इलेक्ट, मनीष ठाकुर व टीम ओनर्स, तुलसी राम मोदी; शिव अग्रवाल, अंशुल मोदी और रिदम सुद्रानिया द्वारा किया गया। उद्घाटन में सेक्रेटरी, शिखा सिंह; अमित गोस्वामी, सुनील जैन और विवेक गुप्ता भी उपस्थित थे। पहले दिन, क्रिकेट, बैडमिंटन, टेनिस और टेबल टेनिस के मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। क्रिकेट के खेले गए तीन मैचों में तालुका फाइटर ने मंगल टाइटंस को, प्रिमार्क सुपर किंग ने तालुका फाइटर को, जबकि एल्फेन रॉयल्स ने वर्सेटाइल वाइकिंग्स को मात देकर मुकाबले अपने नाम किए। तीनों मैचों में खिलाड़ियों की बेहतरीन बल्लेबाजी और गेंदबाजी देखने को मिली। बैडमिंटन में वर्सेटाइल वाइकिंग्स ने लैंटर्न लीजेंड्स को, जबकि प्राइमरी सुपरकिंग्स ने मंगल टाइटंस को हराया। वहीं लैंटर्न लीजेंड्स और एल्फेन रॉयल्स

का मुकाबला बराबरी पर रहा। टेनिस प्रतियोगिता में सिंगल्स वर्ग में अंशुमान शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में युगांश देवरथ को 6-2 से हराकर खिताब जीता। इससे पहले अंशुमान शर्मा ने शालीन को 6-2 से हराया, जबकि युगांश देवरथ ने अभिनव चतुर्वेदी को 6-0 और केसरी नंदन शर्मा को 6-2 से मात दी थी। सिंगल्स में युगांश वर्ग में देवरथ उपविजेता रहे। डबल्स वर्ग में रितेश शर्मा और हर्षित अग्रवाल की जोड़ी ने फाइनल में अंशुमान शर्मा और गौरव माथुर को 6-4 से हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। वहीं अंशुमान शर्मा और गौरव माथुर की जोड़ी रनर-अप रही। टेबल टेनिस टीम मुकाबलों में पूल-ए में तालुका टाइटंस ने अपने दोनों मुकाबले मंगल टाइटंस और प्रिमार्क सुपर किंग से 7 - 6 से जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। जबकि मंगल टाइटंस दूसरे स्थान पर रहा। पूल-बी में लैंटर्न लेजेंड्स ने वर्सटाइल वाइकिंग्स को 9-4 से और अल्फिन रॉयल्स को 7-6 से हराकर पूल-बी में पहला स्थान प्राप्त किया।

वरुण बनाम कुलदीप, फाइनल की प्लेइंग 11 के लिए कौन बड़ा दावेदार; न्यूजीलैंड के खिलाफ दोनों का प्रदर्शन साधारण

नई दिल्ली। वरुण चक्रवर्ती की गेंदबाजी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में काफी साधारण रही है। ऐसा लग रहा है जैसे विरोधी टीमों ने उनकी कमजोरी भांप ली है और उनकी गेंदों पर जमकर रन बन रहे हैं। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने भारतीय गेंदबाजों में सबसे ज्यादा रन दिए। वरुण ने 4 ओवर के स्पैल में 64 रन देकर एक सफलता हासिल की और जोस बटलर को आउट किया। इससे पहले भी वेस्टइंडीज के खिलाफ वरुण पिटे थे।

कुलदीप या वरुण, किसे मिलेगा मौका

अब वरुण की लगातार पिटाई के बाद क्रिकेट पंडितों का मानना है कि अहमदाबाद में होने वाले फाइनल मुकाबले के लिए भारतीय प्लेइंग इलेवन में रिस्ट स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल किया जाए जो फिलहाल बेंच पर बैठे हैं। इस टी20 वर्ल्ड कप में कुलदीप यादव को सिर्फ एक ही मैच में यानी पाकिस्तान के खिलाफ कोलंबो में मौका दिया गया था और उस मैच में उन्होंने 3 ओवर में 14 रन देकर एक विकेट लिया था और ये प्रदर्शन खराब नहीं था। उसके बाद भारत वरुण के साथ आगे बढ़ता गया और वो पिटते गए।

कुलदीप को आजमाना बुरा विकल्प नहीं- अब सवाल ये है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले के लिए कुलदीप या वरुण में से किसे मौका दिया जाए। वैसे वरुण का जिस तरह का फॉर्म है उसके बाद ये भी सही है कि कुलदीप यादव को आजमाने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन क्या भारतीय टीम मैनेजमेंट अपनी विनिंग कांबिनेशन में बदलाव करेंगे। अहमदाबाद में कौन ज्यादा फायदेमंद टीम के लिए साबित होगा ये भी अहम होगा साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ दोनों का प्रदर्शन भी मायने रखता है।

ब्रेंडन मैकुलम से प्रेरणा लेती है टीम, कोच के रूप में उन्हें मेरा समर्थन: ब्रूक

मुंबई । इंग्लैंड क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गई है। गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को भारत से हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड की हार के बाद सबसे ज्यादा आलोचना का शिकार टीम के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम हैं। बतौर कोच मैकुलम के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। आलोचना के बीच ब्रेंडन मैकुलम को इंग्लैंड टीम के कप्तान हैरी ब्रूक का समर्थन मिला है। ब्रूक मैकुलम को इंग्लैंड का हेड कोच बनाए रखने के पक्ष में हैं। भारत के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के बाद हुए प्रेस कांफ्रेंस में हैरी ब्रूक ने कहा कि अगर ईसीबी ब्रेंडन मैकुलम को हेड कोच बनाए रखने के बारे में उनकी राय पूछेगी तो वह निश्चित रूप से उनके पक्ष में अपनी राय रखेंगे। ब्रूक ने कहा, 'जिस तरह से वह सबसे बात करते हैं, जिस तरह से ड्रेसिंग रूम में उनका एक औरा है, हर कोई उनसे प्रेरणा लेता है। पिछले चार सालों में उन्होंने जो कुछ किया है, उसने इंग्लिश क्रिकेट को उम्मीद दी है और बहुत कुछ अच्छा हुआ है। ' कप्तान का समर्थन कोच के रूप में ब्रेंडन मैकुलम के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। देखना होगा ईसीबी मैकुलम पर क्या फैसला लेती है। टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के सफर की शुरूआत निराशाजनक रही थी। ग्रुप स्टेज के पहले मैच में नेपाल के खिलाफ करीबी जीत के बाद टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड ने बिना कोई मैच गंवाए सुपर-8 में जगह बनाई। सुपर-8 में इंग्लैंड ने पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। सेमीफाइनल में भी इंग्लैंड हार जरूर गई, लेकिन लड़कर हारी। 254 रन का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने 246 रन बना लिए थे। इसलिए टी20 विश्व कप में इंग्लैंड का प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से अच्छा रहा है।

'फेक बाबा', भारत के फाइनल में पहुंचने के बाद नवजोत सिंह सिद्धू ने मोहम्मद आमिर की आलोचना की

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 7 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम के फाइनल में पहुंचने के बाद पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर की आलोचना की। नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, 'कुछ लोगों को बेबुनियाद भविष्यवाणी करने की आदत होती है। अगर उनकी बात सही हो जाए तो वे इसे बड़ी उपलब्धि बताते हैं, लेकिन गलत होने पर उसे महज अंदाजा कहकर नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे लोग खुद को किसी समझदार बाबा की तरह पेश करते हैं, जबकि उनकी बातें अक्सर हकीकत से दूर होती हैं।' सिद्धू ने यह भी याद दिलाया कि आमिर ने पहले कहा था कि भारत सेमीफाइनल के लिए भी क्वालीफाई नहीं कर पाएगा। आमिर ने वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका को आगे बढ़ने की भविष्यवाणी की थी, लेकिन भारत आगे आई, और दोनों टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

आमिर ने सेमीफाइनल से पहले इंग्लैंड की जीत का दावा किया था, लेकिन वह भी गलत साबित हुआ।

नवजोत सिंह सिद्धू ने मोहम्मद आमिर को 'फेक बाबा' कहा। दरअसल, सेमीफाइनल मुकाबले से पहले आमिर ने भविष्यवाणी की थी कि भारत टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा और फाइनल में दक्षिण अफ्रीका तथा वेस्ट इंडीज के पहुंचने की संभावना जताई थी। हालांकि, टूर्नामेंट के नतीजे उनकी भविष्यवाणी के बिल्कुल उलट रहे। दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हार गया, जबकि भारत ने इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बना ली। इसी वजह से नवजोत सिंह सिद्धू ने मोहम्मद आमिर की आलोचना की। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की जीत के बाद आमिर ने कहा कि पूरे टूर्नामेंट के बाद भारत ने इस मैच में बेहतरीन क्रिकेट खेला और उसे इसका श्रेय मिलना चाहिए। दोनों टीमों के बीच असली अंतर भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तेज गेंदबाजी रही। आमिर ने माना कि अगर सैमसन का कैच पकड़ लिया जाता, तो मैच का नतीजा अलग भी हो सकता था।

पिंक बॉल टेस्ट के पहले दिन गिरे 13 विकेट

भारत के खिलाफ मजबूत स्थिति में ऑस्ट्रेलिया

पर्थ। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया के बीच एकमात्र टेस्ट मैच वाका के मैदान पर खेला जा रहा है। शुक्रवार को पिंक बॉल टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 3 विकेट खोकर 96 रन बना लिए हैं। इससे पहले भारत की पूरी टीम 198 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम इंडिया की ओर से जेमिमा रोड्रिग्स ने सर्वाधिक 52 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत पहली पारी में अच्छी नहीं रही। जॉर्जिया वॉल सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, फोएबे लिचफील्ड भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और वह 9 रन बनाकर आउट हुईं। कप्तान एलिसा हीली भी 27 गेंदों का सामना करने के बाद 13 रन बनाकर सयाली सतघरे का शिकार बनीं। हालांकि, एलिसा पेरी बेहतरीन लय में दिखाई दीं और उन्होंने 7 चौके लगाए। दिन का खेल खत्म होने तक पेरी 62 गेंदों का सामना करने के बाद 43 रन बनाकर क्रीज पर डटी हुई हैं। वहीं, एनाबेल सदरलैंड 20 रन बनाकर पेरी का साथ निभा रही हैं। भारत की ओर से गेंदबाजी में सयाली सतघरे ने 2 विकेट चटकाए, जबकि क्रांति गौड़ ने एक विकेट निकाला। ऑस्ट्रेलिया अभी भारत के स्कोर से 102 रन पीछे है।

टॉस गंवाने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी भारत की पूरी टीम पहली पारी में 198 रन बनाकर ऑलआउट हुई। स्मृति मंधाना बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और वह 4 रन बनाकर आउट हुईं। प्रतीका रावल भी 18 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। शेफाली वर्मा ने कुछ दमदार शॉट्स लगाए, लेकिन वह अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सकीं और 35 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, जेमिमा रोड्रिग्स बेहतरीन लय में दिखाई दीं और उन्होंने अर्धशतकीय पारी खेली। जेमिमा ने 84 गेंदों में 52 रनों की दमदार पारी खेली। कप्तान हरमनप्रीत कौर 19 रन बनाने के बाद डार्शी ब्राउन की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुईं।

दीप्ति शर्मा भी सिर्फ 7 रन ही बना सकीं, जबकि ऋचा घोष 11 रन बनाकर एश्ले गार्डनर की गेंद पर अलाना किंग को कैच देकर पवेलियन लौटीं। स्नेह राणा सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हुईं। काश्वी गौतम ने 54 गेंदों का सामना करते हुए 3 चौकों की मदद से नाबाद 34 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी में एनाबेल सदरलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 46 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वहीं, लूसी हैमिल्टन ने 31 रन देकर 3 विकेट निकाले। डार्शी ब्राउन ने 41 रन खर्च करते हुए 2 विकेट अपने नाम किए।

पढ़ाई को साथ-साथ काम करना चाहते है तो यह देश है बेस्ट

बहुत सारे लोगों का सपना होता है कि वह विदेश जाकर पढ़ाई करें। लेकिन कई बार आर्थिक स्थिति को देखते हुए बहुत सारे लोग अपने इस सपने को पूरा नहीं कर पाते। लेकिन आज कल के बढ़ते पार्ट टाइम वर्क कल्चर को देखते हुए अब विदेश जाकर पढ़ना आसान हो गया है। कई स्टूडेंट्स क्लास के बाद पार्ट टाइम जॉब करना पसंद करते है। जिससे उनकी छोटी-मोटी जरूरतों का खर्च निकाला जा सके। भारत में भी यह ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन विदेशों में कई ऐसे यूनिवर्सिटी और संस्थान है जहां आप पढ़ते है वहीं संस्थान आपको पार्ट टाइम नौकरी की ऑफर देने लगे है। यूएस या दूसरें विकसित देशों में अर्न व्हाइल यू लर्न का केवल चलन ही नहीं हा बल्कि वहां के लोग इसे अहमियत भी देते हैं। अर्न व्हाइल यू लर्न का फायदा सिर्फ स्टूडेंट्स को ही नहीं हो रहा, इससे सीमित अवधि के लिए रोजगार देने वाले भी दोहरा लाभ कमा रहे हैं। यह ट्रेंड उन छात्रों के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो रहा है, जो पढने के लिए विदेश का रुख करते हैं। इन देशों में अर्न व्हाइल यू लर्न का कॉन्सेप्ट है, मगर उसके लिए उनकी कुछ शर्तों को मानना पड़ता है।

फ्रांस

यहां अंतरराष्ट्रीय स्टूडेंट्स को काम करने की इजाजत है, मगर शर्त यह है कि उनका संस्थान नेशनल स्टूडेंट हेल्थकेयर प्लान में शिरकत करता हो। फ्रेंच कानून के तहत स्टूडेंट्स को साल में 964 घंटे काम करने की छूट है।

जर्मनी

अंतरराष्ट्रीय स्टूडेंट्स, जो ईयू या ईईए देशों के बाहर के छात्र हैं, उन्हें साल में 120 फुल या 240 हाफ डे काम करने का मौका मिल जाता है। अगर कोई स्टूडेंट्स यहां निर्धारित काम के घंटों से अधिक काम करना चाहता है तो उसके लिए उसे संबंधित डिपार्टमेंट से इजाजत लेनी होती है। साथ ही यदि छात्र का कोर्स व कार्य की प्रकृति एक ही है तो उसे काम के असीमित घंटे मिलते हैं।

न्यूजीलैंड

यहां वेरिएशन ऑफ कंडीशन के तहत पढ़ाई करते हुए 20 घंटे प्रति सप्ताह तक काम करने की आजादी होती

कनाडा

यहां अंतरराष्ट्रीय छात्रों को कैम्पस में काम करने की पूरी छूट है, मगर ऑफ कैम्पस के लिए वर्क परमिट प्रोग्राम के अनुसार ही चलना पड़ता है। नियमित सैशन के दौरान जहां 20 घंटे प्रति सप्ताह काम किया जा सकता है, वहीं विंटर और समर ब्रेक के दौरान फुल टाइम काम करने की इजाजत होती है।

सिंगापुर

यहां अंतरराष्ट्रीय छात्रों को पढ़ाई के साथ या छुट्टियों में काम की इजाजत नहीं होती, लेकिन इसके लिए एम्प्लॉयमेंट ऑफ फॉरेन मैनपावर विभाग से वर्क पास की अनुमति ली जा सकती है। हालांकि कुछ स्कूल्स में 14 वर्ष से बड़े छात्रों को काम करने की छूट है।

यूनाइटेड किंगडम

बैचलर डिग्री और उससे ऊपर के छात्रों को प्रति सप्ताह 20 घंटे काम करने की इजाजत है। इसके अलावा छुट्टियों के दौरान फुलटाइम वर्क किया जा सकता है। वहीं बैचलर डिग्री से नीचे के छात्रों को सिर्फ 10 घंटे प्रति सप्ताह काम करने की इजाजत मिलती है।

आयरलैंड

ऐसे अंतरराष्ट्रीय छात्र, जो ईईए देशों से बाहर के हैं और जो यहां किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से कम से कम एक साल का पूर्णकालिक कोर्स कर रहे हैं, वे 20 घंटे प्रति सप्ताह तक का पार्ट टाइम रोजगार पा सकते हैं।

इटली

अगर किसी अंतरराष्ट्रीय छात्र के पास स्टडी वीजा है और इटली में रहते हुए उसे 90 दिन से अधिक हो चुके हैं तो ऐसी स्थिति में वह रेजिडेंस परमिट के लिए आवेदन कर सकता है। रेजिडेंस परमिट के बाद वह 20 घंटे प्रति सप्ताह की पार्ट टाइम जॉब कर सकता है।

स्विट्जरलैंड

यहां ईयू/ईएफटीए देशों से बाहर के अतरंराष्ट्रीय छात्रों के लिए 15 घंटे प्रति सप्ताह का रोजगार पाने की इजाजत है। पर यह जरूरी है कि उन्हें यहां रहते हुए कम से कम छह माह का न्यूनतम समय हो चुका हो। हालांकि पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के लिए ऐसी कोई शर्त नहीं है।

यूनाइटेड स्टेट्स

अंतरराष्ट्रीय छात्र, जिन के पास एफ -1 वीजा है, उन्हें ऑफ कैम्पस जॉब करने की इजाजत नहीं है। किसी खास केस में ही यह इजाजत मिलती है। एक साल के बाद यूएससीआईएस से काम करने की इजाजत मिल सकती है। यहां सिर्फ कैम्पस में 20 घंटे प्रति सप्ताह सैशन के समय और 40 घंटे प्रति सप्ताह छुट्टियों के दौरान काम करने के लिए इजाजत नहीं लेनी होती।

आस्ट्रेलिया

छात्रों को यहां अधिकतम 40 घंटे प्रति पखवाड़े तक काम करने से नहीं रोका जाता। वहीं छुट्टियों में काम करने के घंटों पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

आज कल के बढ़ते पार्ट टाइम वर्क कल्चर को देखते हुए अब विदेश जाकर पढ़ना आसान हो गया है। कई स्टूडेंट्स क्लास के बाद पार्ट टाइम जॉब करना पसंद करते है। जिससे उनकी छोटी-मोटी जरूरतों का खर्च निकाला जा सके। भारत में भी यह ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन विदेशों में कई ऐसे यूनिवर्सिटी और संस्थान है जहां आप पढ़ते है वहीं संस्थान आपको पार्ट टाइम नौकरी की ऑफर देने लगे है।

कुछ यूं बनाएं अपनी वेबसाइट

आजकल पर्सनल वेबसाइट बनाने का प्रचलन भी जोरों पर है। वेबसाइट आपको अवसर देती है अपने बारे में तमाम तरह की सूचनाओं को दूसरों तक पहुंचाने की। घर बैठे आपके बारे में तमाम सूचनाओं को एक्सेस करने की आजादी का इससे बेहतर जरिया और भला क्या हो सकता है। हालांकि इस काम के लिए ब्लॉग, सोशल नेटवर्किंग साइट्स आदि का भी खूब इस्तेमाल किया जाता है, फिर भी आज के इस तकनीकी युग में पर्सनल वेबसाइट होना आपको दूसरों से अलग बनाता है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि वेबसाइट बनाना अब कोई मुश्किल काम नहीं रहा। इंटरनेट पर कई ऐसे टूल्स हैं, जिनकी सहायता से चुटकियों में आप अपना वेब पेज डेवलप कर सकते हैं। क्या हुआ यदि आपको कंप्यूटर में महारथ हासिल नहीं है, प्रोग्रामिंग के आप पंडित नहीं हैं या फिर कोडिंग के नाम से ही आप डरने लगते हैं। प्रोफेशनल्स, रिसचर्स, स्टूडेंट्स आदि अपनी पर्सनल वेबसाइट बनाने में काफी रुचि दिखा रहे हैं। इसके माध्यम से आप न केवल वर्चुअल दुनिया में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते रहते हैं, बल्कि अब तो एडवरटाइडिंग के जरिए पैसा कमाने का भी यह एक सोर्स बन गया है।

वेबसाइट आमतौर पर दो तरह की होती है- स्टैटिक और डायनॉमिक। स्टैटिक वेबसाइट का मतलब वैसी साइट से है, जो वन-वे होती है। यहां आप वेब पेजों को केवल पढ़ कर जानकारी ले सकते हैं। ये साइट्स नॉन-इंटरेक्टिव होती हैं और ये केवल स्टैटिक इंफॉर्मेशन ही प्रोवाइड कराती हैं, जो प्री-डिफाइन होती है। वैसे वेब पेज को एचटीएमएल (हाइपर टैक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज) की सहायता से तैयार किया जाता है। इसके विपरीत डायनॉमिक वेबसाइट इंटरेक्टिव होती है और विभिन्न क्राइटेरिया के अनुसार परिवर्तित होती रहती है। यहां आपको डाटाबेस से डायनामिक कंटेंट्स मिलता है और आप ताजा-तरीन (लेटेस्ट) इंफॉर्मेशन ले सकते हैं। वेबसाइट बनाने की प्रक्रिया में आपको डोमेन नेम/सब-डोमेन नेम और वेबसाइट होस्टिंग साइट की जरूरत पड़ती है। डोमेन नेम सिस्टम के आधार पर डोमेन नेम बनाया जाता है। इंटरनेट पर कई ऐसी वेबसाइट्स हैं, जो निःशुल्क सब-डोमेन प्रोवाइड करती हैं। आप गूगल सर्च की सहायता ले सकते हैं। www.hosting.com एक ऐसी ही वेबसाइट है, जहां आप अपनी वेबसाइट को होस्ट कर सकते हैं। इसके लिए आपको रजिस्ट्रेशन करवाना होगा और इस दौरान आपको अपना यूजरनेम, पासवर्ड, ई-मेल एड्रेस आदि एंटर करना पड़ेगा। किसी भी वेबसाइट होस्टिंग साइट का उपयोग करने से पहले उसके फीचर्स, क्राइटेरिया आदि को सही से समझ लें। डोमेन और यूआरएल के बारे में निर्णय कर लेने के बाद जो मुख्य काम है, वह है वेबसाइट का निर्माण। यहां आप विभिन्न वेब पेज डेवलप करते हैं, जो वेबसाइट का रूप लेते हैं। नेट पर विभिन्न वेब एडिटर्स हैं, जहां आप बिना कोडिंग किए ही आकर्षक और प्रोफेशनल वेब पेज बना सकते हैं। इन एडिटर्स में आपको संबंधित इंफॉर्मेशन एंटर करनी होती है। ड्रैग एंड ड्रॉप फीचर का भी आप उपयोग कर सकते हैं। इन एडिटर्स की सहायता से वेबसाइट डेवलप करते समय आप कलर, फोंट, स्टाइल, बैकग्राउंड, इमेज आदि पर विशेष ध्यान रखें, ताकि आपकी वेबसाइट आकर्षक दिखे। फ्रंट पेज यानी होम पेज को डिजाइन करते समय खास ध्यान दें। नेविगेशन पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। साथ ही, आप याद रखें किसी भी साइट का कंटेंट उस साइट की सफलता और लोकप्रियता में मुख्य भूमिका निभाता है। ऐसे में कंटेंट को दूसरों के लिए रोचक और उपयोगी बनाएं, ताकि लोग आपकी साइट के प्रति आकर्षित हों। वेबसाइट तैयार हो जाने पर अगला कदम होता है पब्लिशिंग यानी इंटरनेट पर इसे अपलोड करना। चुनी गई होस्टिंग साइट पर आप पर्सनल वेबसाइट को अपलोड कर सकते हैं और इस तरह आप अपनी वेबसाइट को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत कर सकते हैं। आप सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) द्वारा अपनी वेबसाइट को प्रमोट भी कर सकते हैं, ताकि जब भी सर्च इंजन में संबंधित सर्च किया जाए तो आपकी वेबसाइट भी सर्च लिस्ट में प्रदर्शित हो।

तेजी से पंख फैलाते इंटरनेट का सहारा लेकर आज हर व्यक्ति अपनी पहुंच इंटरनेट की दुनिया में दर्ज कराने को बेताब नजर आता है। हर व्यक्ति की यही चाहत है कि उसका दायरा किसी सीमा के बंधन में कैद न रहे। सच ही तो है, आज नेट ने हमें भौगोलिक सीमाओं को लांघने का एक बेहतर जरिया उपलब्ध कराया है और साथ ही दी है वर्चुअल वर्ल्ड में उन्मुक्त विचरने की आजादी।

अपनाएं यह 5 तरीके जल्द मिलेगी नौकरी

जॉब मार्केट में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण जॉब मिलना सबसे ज्यादा मुश्किल काम हो गया है लेकिन अभी भी उन उम्मीदवारों को कहीं न कहीं बेहतर जॉब जरूर मिल जाती है जो योग्य होते हैं। लेकिन इतना जरुर है कि समय के साथ- साथ जॉब सर्च करने, टेस्ट और इंटरव्यू देने के तरीके भी बदल गए है। इसलिए इन बातों को जानना बहुत जरुरी है ।

ऑनलाइन नेटवर्किंग

जॉब सर्च करने के लिए आप फेसबुक, लिंकडिन का इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन यहां आपको थोड़ी होशियारी बरतनी होगी। अगर आप हमेशा दूसरों से खुद के बारे में बात करेंगे तो धीरे-धीरे लोग आपके प्रोफाइल पर ध्यान देना बंद करेंगे। ऑनलाइन नेटवर्किंग एक कॉकटेल की तरह है इसलिए इसका अपने फायदे में ध्यान से इस्तेमाल करें।

पर्सनल नेटवर्किंग

बहुत सारे लोग नेटवर्किंग को गलत मानते हैं मगर ऐसा नहीं है। लोगों से खुल कर बातें करें, अपने लक्ष्य तय करें। दूसरों से मिलने-जुलने के कारण आपके स्किल्स में सुधार भी आएंगे और समय आने पर मदद भी मिलेगी। नौकरी तलाशने में नेटवर्किंग का काफी अहम रोल होता है।

खुद को थोड़ा अलग रखें

जब आप जॉब के लिए अपना रिज्यूमे बना रहे हैं तो यह ध्यान रखें कि पुरानी घिसी-पिटी बातें जो सभी के रिज्यूमे में होती है, उसको फॉलो न करें। आप अपने रिज्यूमे में कुछ ऐसी बातें डालने की कोशिश करें जो आपको दूसरों से अलग बनाएं ।

इंटरव्यू इंफॉर्मेशन

जब आप इंटरव्यू देने जाएं तो सिर्फ सवालों के जवाब न दें बल्कि अपनी आवश्यकतानुसार कुछ सवाल आप भी पूछ लें। जैसे कि इंटरव्यू लेने वाले का नाम क्या है? वे क्या करते हैं? इंटरव्यू देकर निकलें तो धन्यवाद कहना न भूलें।

इंटरव्यू में सीधी बात करें

इंटरव्यू में घुमावदार जवाब देने से बचें। सवालों का सीधा जवाब दें। अगर आपसे आपकी कमजोरी के बारे में पूछा जाए तो अपनी कमजोरी ही बताएं। कुछ लोग अपने को स्मार्ट दिखाने के चक्कर में कुछ ज्यादा ही बोल जाते हैं। उदाहरण के तौर पर वे ज्यादा काम करने को अपनी कमजोरी बताने लगते हैं इसलिए ऐसे सवालों की तैयारी पहले से करें।

क्या 'बिग बॉस 19' फेम तान्या मित्तल को मिला एकता कपूर का ओटीटी प्रोजेक्ट? शादी पर कही बड़ी बात

हाल ही में तान्या मित्तल को प्रोड्यूसर एकता कपूर के बंगले पर देखा गया। हालांकि यह मीटिंग किस तरह की थी, इसके बारे में ज्यादा डिटेल नहीं मिली है। लेकिन टीवी इंडस्ट्री से जुड़े एक सूत्र ने बताया है कि एकता कपूर अपने एक आने वाले ओटीटी प्रोजेक्ट के लिए तान्या मित्तल के साथ हाथ मिला रही हैं। तान्या मित्तल 'बिग बॉस 19' में अपने ट्रेडिशनल अटायर के लिए काफी मशहूर हुईं। वह हमेशा ही साड़ी में नजर आती हैं। एकता कपूर से मिलने भी वह साड़ी में पहुंची हैं। अपकमिंग ओटीटी प्रोजेक्ट में तान्या का लुक भी शायद ट्रेडिशनल ही हो। वैसे इस बारे में अभी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है कि तान्या किस तरह का रोल एकता कपूर के ओटीटी प्रोजेक्ट में करेंगी।

बोमन ईरानी ने बताया

मैं स्टेज पर खड़ा था, हैरान था, और मेरे रोंगटे खड़े हो गए

सीनियर एक्टर और फिल्ममेकर बोमन ईरानी के लिए यह पल सच में यादगार बन गया, जब उनके डायरेक्टोरियल डेब्यू द मेहता बॉयज़ को स्पोकन फेस्ट में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिले। भारत की बेहतरीन आवाज़ों का जश्न मनाने वाले इस दो दिन के फेस्टिवल में एक दिल छू लेने वाला नज़ारा तब बना, जब स्टेज पर होस्ट्स ने फिल्म का नाम लिया और करीब 5000 स्पोकन वर्ड प्रेमियों ने एक साथ जोरदार चीयर कर दिया। हॉल की एनर्जी ऐसी थी जैसे करंट दौड़ गया हो। बोमन खुद भी हैरान रह गए, और साफ दिख रहा था कि वो इस प्यार से गहराई तक भावुक हो गए हैं। इस पल को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि यह लम्हा उन्हें ऐसी खुशी दे गया जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। 5000 लोगों ने एक साथ उनकी 'बेबी' 'द मेहता बॉयज़' का नाम सुना जो आवाज़ दी, वो किसी रॉक बैंड जैसी ट्रीटमेंट थी। वो स्टेज पर खड़े थे, पूरी तरह चौंके हुए... और रोंगटे खड़े हो गए थे। स्पोकन फेस्ट में गूंजती तालियों की यह आवाज़ इस बात का सबूत है कि द मेहता बॉयज़ आज भी दर्शकों के दिलों से गहराई से जुड़ रही है। वर्क फ्रंट की बात करें तो बोमन ने हाल ही में खोसला का घोसला 2 का दिल्ली शेड्यूल पूरा किया है। इसके बाद वो हैवान में अक्षय कुमार और सैफ अली खान के साथ नजर आएंगे। साथ ही वो पेड़ी में भी दिखेंगे, जिसमें उनके साथ राम चरण हैं, और जो 30 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।

रोम की गलियों में राशि खन्ना परिवार के साथ बिता रही हैं यादगार पल

साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री राशि खन्ना अपनी बहुमुखी प्रतिभा को लेकर दर्शकों के दिलों में खास जगह रखती हैं। इन दिनों अभिनेत्री इटली की सैर पर हैं। खास बात ये है कि वे अपने परिवार के साथ गई हैं। गुरुवार को अभिनेत्री ने इसकी कुछ शानदार झलक इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। पहली तस्वीर में एक कपल एक दूसरे को गुलाब का फूल देते नजर आ रहे हैं। वहीं बाकी तस्वीरों में वे इटली के रोम में घूमती नजर आ रही हैं। कुछ में वे अपने परिवार और दोस्तों के साथ दिख रही हैं। उन्होंने लिखा, 'रोम की सबसे खूबसूरत बात मेरे सामने मेज के उस पार बैठी थी।' अभिनेत्री की पोस्ट उनके फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई यूजर्स तो हार्ट और फायर के इमोजी शेयर कर रहे हैं।

राशी की बात करें तो वे साउथ सिनेमा की उम्दा अदाकाराओं में से एक हैं। वे इंडस्ट्री में शानदार एक्टिंग के साथ-साथ गायिकी के लिए भी जानी जाती हैं। तेलुगु और तमिल सिनेमा में कई हिट फिल्में दे चुकीं राशि सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी जिंदगी के मजेदार पल और प्रोफेशनल अपडेट्स फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं।

साउथ सिनेमा के बाद अब वे फिल्म '120 बहादुर' में नजर आई थीं। फिल्म में वे इरफान खान के अपोजिट थीं।

सुभाष घई ने युवाओं को दी सीख, बोले- एआई को दुश्मन नहीं

हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक सुभाष घई अक्सर सोशल मीडिया पर अपने विचार रखते रहते हैं। उनकी फिल्में गहरी सोच और समाज को आईना दिखाने के लिए मशहूर हैं। बुधवार को उन्होंने अपनी फिल्मों को लेकर विचार व्यक्त किए। सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट किया। इसमें उनकी हिट फिल्मों के टाइटल राम-लखन, सौदागर, खलनायक, नायक, परदेस और ताल समेत कई नाम शामिल हैं। सुभाष ने अपनी इस पोस्ट के जरिए युवाओं को नई ऊर्जा देने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि काम शानदार करो कि वह फिल्म इंडस्ट्री के लिए ही नहीं, बल्कि हर क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक हो। वे कहते हैं कि काम इतना शानदार हो कि वह खुद बोलता रहे, व्यक्ति की जरूरत न पड़े। सुभाष ने लिखा, 'आने वाले समय में किसी भी व्यक्ति की असली पहचान उसकी बातों से नहीं बल्कि काम से होगी। काम के जरिए ही उसके विचार और सोच का पता चलेगा। उन्होंने लिखा, 'दर्शक लंबे समय तक फिल्म को याद रखते हैं। फिल्म बनाने वाले निर्देशक या क्रिएटर को नहीं, बल्कि फिल्मकार को हमेशा बेहतर करने की कोशिश जारी रखनी चाहिए। उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए युवा को सलाह दी कि जब तक समय है, सीखते रहो, आगे बढ़ते रहो।

फिल्म को बताया दिलों को छू लेने वाली कहानी

जावेद अख्तर को भा गई तापसी पन्नू की 'अस्सी'

सामाजिक-राजनीतिक और रियलिस्टिक फिल्मों के लिए हिंदी सिनेमा के जाने-माने डायरेक्टर अनुभव सिन्हा की फिल्म 'अस्सी' 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। बॉक्स ऑफिस पर भले ही फिल्म धीमी कमाई कर रही है, लेकिन फिर भी फैंस के दिलों पर छाप छोड़ रही है। गीतकार और लेखक जावेद अख्तर नेसमाज की कड़वी और गंदी मानसिकता पर चोट करती फिल्म 'अस्सी' की तारीफ की है। तापसी पन्नू की फिल्म 'अस्सी' देशभर में महिलाओं के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न की सच्चाई को उजागर करती है। फिल्म में कोर्टरूम ड्रामा से लेकर पीड़िता को उस दौरान किन चीजों का सामना करना पड़ता है, इन सभी पहलुओं को बारीकी से दिखाया गया है। यही वजह है कि फिल्म गीतकार जावेद अख्तर के दिल में उतर चुकी है। गीतकार ने फिल्म की तारीफ कर लिखा कि अस्सी ऐसी कहानी है, जो एक तरफ इमोशनल पहलू को छूती है और दूसरी तरफ लोगों के दिल को। फिल्म को बहुत अच्छे तरीके से दिखाया गया है, जो कई सवालों के जवाब देती है। वहीं कुकिंग शो मास्टर शेफ के जज रणवीर बरार ने भी फिल्म की खुलकर तारीफ की और कहा कि विजुअली फिल्म को बहुत मजबूत तरीके से बनाया गया है, जो आपको सोचने पर मजबूर करती है। सिनेमाघरों में रिलीज के साथ ही 'अस्सी' को अच्छा रिस्पांस मिला था। फिल्म ने ओपनिंग डे पर 1 करोड़ की कमाई की थी, जबकि दूसरे और तीसरे दिन 3.20 करोड़ रुपए की कमाई की। पहले हफ्ते फिल्म 4.20 करोड़ का कलेक्शन करने में कामयाब रही है। हालांकि, सोमवार से फिल्म के कलेक्शन में भारी गिरावट देखी गई। अब तक फिल्म 6.30 करोड़ का कलेक्शन करने में कामयाब रही। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म का बजट 30 करोड़ है। बजट के हिसाब से फिल्म अभी तक एक चौथाई भी कमाने में कामयाब नहीं रही है, फिर भी लोग फिल्म की तारीफ से खुद को रोक नहीं पा रहे। माना जा रहा है कि फिल्म के फ्लॉप होने का कारण फिल्म का ठीक तरीके से प्रचार नहीं करना है। फिल्म व्यापार विशेषज्ञ की मानें तो अस्सी में स्टार पावर की कमी है और फिल्म का प्रमोशन भी सही तरीके से नहीं किया गया।

स्पिरिट का हाई वोल्टेज पोस्टर रिलीज

साथ दिखे विवेक ओबेरॉय-ऐश्वर्या

साल 2027 की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर फैंस की बेसब्री चरम पर है. हाल ही में मेकर्स ने विवेक ओबेरॉय का दमदार फर्स्ट लुक जारी कर एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है. प्रभास स्टारर इस पैन-वर्ल्ड एंटरटेनर में ऐश्वर्या देसाई भी अहम भूमिका में नजर आएंगी. साल 2026-2027 सिनेमाप्रेमियों के लिए काफी खास है, क्योंकि ये साल कई जबरदस्त फिल्में लेकर आ रहा है. इन्हीं फिल्मों में एक नाम 'स्पिरिट' का भी है, जिसको लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट बढ़ी हुई है. हालांकि, पहले से ही लोगों की बेसब्री फिल्म को लेकर चरम पर है और अब मेकर्स ने फैंस की धड़कनें और तेज कर दी हैं. हाल ही में इस मेगा प्रोजेक्ट से विवेक ओबेरॉय का दमदार फर्स्ट लुक जारी किया गया है, जिसने फिल्म की दुनिया को और भी रहस्यमयी और हाई-वोल्टेज बना दिया है. पहली झलक में विवेक ओबेरॉय बेहद इंटेंस अंदाज में नजर आ रहे हैं. 'स्पिरिट' पहले ही साल 2027 की सबसे मोस्ट अवेटेड फिल्मों में गिनी जा रही है. ऐसे में विवेक ओबेरॉय की एंट्री ने इस प्रोजेक्ट को और मजबूत बना दिया है. अपने करियर में कई दमदार और विविध भूमिकाएं निभा चुके विवेक इस फिल्म में एक ऐसे किरदार में दिखेंगे, जो कहानी की परतों को और गहराई देगा. उनका स्क्रीन प्रेजेंस फिल्म के हाई-स्टेक्स यूनिवर्स में नई एनर्जी और टकराव लेकर आने वाला है. 'स्पिरिट' 5 मार्च 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

भूतों के बीच अक्षय की मस्ती

'भूत बंगला' का नया गाना 'राम जी आके भला करेंगे' रिलीज

अक्षय कुमार की आगामी कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी जोश को बनाए रखने के लिए मेकर्स ने गुरुवार को नया गाना 'राम जी आके भला करेंगे' जारी कर दिया है। जोश से भरपूर गाने में अक्षय कुमार मस्ती के मूड में नजर आ रहे हैं। पागलपन, पुरानी यादों और उनकी खास कॉमिक स्टाइल से भरा यह गाना फिल्म की मजेदार दुनिया की एक शानदार झलक दिखाता है। 'राम जी आके भला करेंगे' एक मजेदार और हंसी से भरपूर ट्रैक है। इसके तेज बीट्स और मजेदार वीडियो दर्शकों को काफी पसंद आ रहे हैं। वे गाने की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

साथ ही फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। गाने में अक्षय कुमार अपने पुराने वाले क्लासिक स्टाइल में नजर आ रहे हैं। वीडियो में वे भूतों की दुनिया में घूमते दिख रहे हैं। वे अजीब-अजीब भूतों से मजेदार अंदाज में टकराते दिख रहे हैं। उनकी परफॉर्मेंस में डरावनी हरकतें और हंसी-मजाक का शानदार मिश्रण है। यह गाना प्रीतम ने कंपोज किया है। लिरिक्स कुमार ने लिखे हैं। इसे अरमान मलिक और आरवन (देव अरिजीत) ने गाया है। इसमें मेलोडी का एक रैप पार्ट भी है, जो उन्होंने खुद लिखा और परफॉर्म किया। यह रैप गाने में आज के दौर का तड़का लगाता है और बीट्स को और भी धमाकेदार बनाता है। खास बात ये है कि इस फिल्म के जरिए अक्षय कुमार और डायरेक्टर प्रियदर्शन 16 साल बाद साथ में आए हैं। 'भूत-बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म से फैंस को काफी उम्मीदें हैं क्योंकि इससे पहले अक्षय की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' बॉक्स ऑफिस पर औसत रही थी। बिना सुपरहिट फिल्म दिए अभिनेता को एक लंबा समय गुजर चुका है और ऐसे में 'भूत-बंगला' कुछ बड़ा कर सकती है।

तेरे नाम री-रिलीज: सलमान खान नहीं थे मेकर्स की पहली पसंद, मेंटल स्टेटस की वजह से की फिल्म के लिए 'हां'

2003 में रिलीज हुई फिल्म 'तेरे नाम' में सलमान खान का 'राधे' वाला किरदार आज भी लोगों को याद है। उस समय उनका हेयरस्टाइल, डायलॉग डिलीवरी और इमोशनल इंटेंसिटी उस दौर में जबरदस्त ट्रेंड बन गई थी।

कल्ट क्लासिक फिल्मों में शुमार 'तेरे नाम' पर्दे पर दोबारा रिलीज की गई। 2003 में 'तेरे नाम' रिलीज होने के बाद यंगस्टर बीच की मांग निकालकर अभिनेता की तरह दिखने की कोशिश करने लगे और इसके साथ ही अभिनेता का ब्लैक शर्ट और ब्लू जींस का स्टाइल भी युवाओं की पहली पसंद बना, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनेता फिल्म में राधे के किरदार के लिए पहली पसंद नहीं थे और उनके लिए राधे का किरदार निभाना बहुत मुश्किल था। 'तेरे नाम' की कहानी ऐसे युवा की है, जिसे एक सीधी-साधी लड़की से प्यार हो जाता है, लेकिन हिस्से में प्यार नहीं, सिर्फ सजा आती है। फिल्म का क्लाइमेक्स भी डिप्रेस कर देने वाला है। इस फिल्म के लिए सबसे पहले आमिर खान को ऑफर हुआ था। हालांकि आमिर खान ने फिल्म करने से इनकार नहीं किया था, लेकिन किरदार के लिए खुद को तैयार करने के लिए 2 साल का लंबा समय मांगा था। म

`केर्स के पास इतना समय नहीं था कि वे एक किरदार को फाइनल करने के लिए 2 साल का समय लें, जिसके बाद फिल्म अनिल कपूर के पास गई, लेकिन उन्होंने फिल्म की कहानी सुनने के बाद मना कर दिया। अब मेकर्स परेशान कि कौन सा हीरो फिल्म के लिए लाया जाए। 'तेरे नाम' के बेहतरीन गाने लिखने वाले गीतकार समीर अनजान ने खुद इस बात का खुलासा किया था कि सलमान खान ने फिल्म की कहानी सुनते ही हां कर दी थी, क्योंकि वे खुद जिंदगी के उस बुरे दौर से गुजर रहे थे। साल 2002 में अभिनेता ऐश्वर्या राय से ब्रेकअप हुआ था और उस वक्त उनका व्यवहार में काफी परिवर्तन भी देखा गया था। समीर ने बताया कि फिल्म का गाना 'क्यों किसी को वफा के बदले वफा नहीं मिलती' सुनकर अभिनेता बहुत रोए थे.

क्यों शादी से डरती हैं डेजी शाह?

करवाए अपने एग्स फ्रीज, कहा- परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं

डेजी शाह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने शादी को डरावना बताया है और उन्होंने साफ कहा कि उनके लिए परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं है। साथ ही मां बनने को लेकर भी उन्होंने बड़ा फैसला लिया है।

आजकल शादी डरावनी लगती है फिल्मीग्यान को दिए एक इंटरव्यू में, 'जय हो' की एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने अपने एग्स फ्रीज करवा लिए हैं, ताकि भविष्य में जब भी वे चाहें, वे मां बन सकें। उनका कहना है कि वे अपनी जिंदगी के फैसले अपनी शर्तों पर लेना चाहती हैं।

डेजी ने माना कि आजकल रिश्तों से जुड़ी खबरें उन्हें परेशान करती हैं। उन्होंने कहा, 'हर दिन कुछ ना कुछ हो रहा है, कपल्स के ब्रेकअप या वो 'ब्लू ड्रम' जैसे चौंकाने वाले मामले। ये सब बहुत डरावना है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने शादी को लेकर ज्यादा सोचा नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह शादी करेंगी, तो उन्होंने जवाब दिया कि यह फैसला उन्होंने 'ऊपरवाले पर छोड़ दिया है।'

क्या चुनेंगी डेजी...प्यार या पैसा?: इंटरव्यू के दौरान जब उनसे 'प्यार' और 'पैसा' में से एक चुनने को कहा गया, तो 41 साल की एक्ट्रेस ने मुस्कुराते हुए कहा कि उन्हें दोनों चाहिए। उनका मानना है कि रिश्ते में इमोशनल कनेक्शन के साथ-साथ आर्थिक रूप से मजबूत होना भी जरूरी है। वे चाहती हैं कि उनका पार्टनर खुद से आर्थिक रूप से सुरक्षित और स्वतंत्र हो।

परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं: मदरहुड पर बात करते हुए डेजी ने साफ कहा, 'परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं है।' उन्होंने बताया कि उन्होंने एग फ्रीज करवाने का फैसला इसलिए लिया, ताकि वे जब भी चाहें, बच्चे कर सकें।

स्वामित्व, प्रकाशन एवं संपादन — कृष्णा टेकरीवाल प्रकाशित समाचारों की सत्यता हेतु संबंधित संवाददाता जिम्मेदार होंगे विज्ञापन हेतु मोबाइल : 9801716267